

राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने ग्वालियर हादसे पर जताया शोक, पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए हादसे में 12 लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार दुःखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं

और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। पीएमओ के एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुए हादसे में लोगों की जान जाने की खबर से बहुत दुःख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। उधर,



राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर में हुए ट्रक हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुःख की

घड़ी में राज्य सरकार सभी प्रभावित परिवारों के साथ है। सभी मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में घोषणा की

कि राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 2-2 लाख रुपए और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। सभी घायलों का निःशुल्क उपचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रभावित परिवार ग्वालियर, शिवपुरी और श्योपुर से हैं। उन्होंने कहा, मंत्री ऐदल सिंह कंसाना और राकेश शुक्ला को ग्वालियर पहुंचने के निर्देश भी दिए हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों को अपने शीवरणों में स्थान दें, शोकाकुल

परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। मध्य प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने एक्स लिखा, ग्वालियर के शीतला माता मंदिर के पास हुई हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में श्रद्धालुओं की असाध्यिक मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने शीचरणों में स्थान दें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

कोलकाता में भगदड़ के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने रद्द किए सारे कार्यक्रम,सीएम शुभेंद्रु के साथ पहुंचे अस्पताल



नई दिल्ली। कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मचने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। इसके अलावा आयोजक समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार सुबह उस अस्पताल पहुंचे, जहां घायल हुए 14 लोगों का इलाज किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी भी शाह के साथ थे। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि शाह चिकित्सकों से संभवतः बात करेंगे और घायलों के इलाज की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री घायलों से भी बातचीत की है। इससे पहले शाह ने रविवार सुबह कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर अस्पताल पहुंचे। उत्तरी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम बारिश के बीच अचानक भीड़ बढ़ने से भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह ने इस हादसे के बाद दुर्गा पूजा पंडालों में जाने के अपने निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए थे। किसी भी अन्य अग्रिय

घटना को रोकने के लिए बाउबाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पंडाल और उससे जुड़ी सड़कों के आसपास सुरक्षा प्रतिबंध भी कड़े कर दिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि निर्धारित क्षेत्र में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा 20 अक्टूबर तक लागू रहेगी। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि महासम्मी के उत्सव के दौरान अचानक तेज बारिश के बाद भीड़ का उचित प्रबंधन नहीं किए जाने और भ्रामक घोषणाओं के कारण लोगों में घबराहट फैल गई होगी, जिससे उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मच गई। अधिकारी ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से संकेत मिलता है कि शनिवार शाम पंडाल में भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे यह घटना हुई। पुलिस ने यह भी पाया कि आयोजन स्थल पर तैनात पुलिसकर्मियों और निजी सुरक्षा गार्डों की संख्या पर्याप्त नहीं थी, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि प्रवेश, निकास और भीड़ की आवाजाही को लेकर पर्याप्त घोषणाएं नहीं की गई थी, जिससे भीड़ के दबाव के बीच लोग भ्रमित हो गए। अधिकारी ने कहा, हमारे पास एक घोषणा का वीडियो है,

कैंसर मरीजों को राहत, 137 दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर लगी लगाम

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सरकार ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर रोगी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है। नेशनल फार्मास्यूटिकल प्र्राइसिंग ऑथॉरिटी (एनपीपीए) के इस फैसले से कई कैंसर की दवाओं की कीमत 70 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। यह कदम रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के तहत ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन (टीएमआर) का हिस्सा है, जिसका मकसद वितरण स्थूला में अत्यधिक मार्जिन को रोकना है। सभी निर्माताओं को गजट अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर एनपीपीए को अपनी संशोधित कीमतों के बारे में सूचित करना होगा। संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से प्रभावी होंगी। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करना होगी और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को इसकी जानकारी देनी होगी। सभी खुदरा विक्रेता और अस्पताल 9 नवंबर 2026 से कम कीमतें वसूल करेंगे और अपनी फार्मेशियों में संशोधित कीमतों को प्रदर्शित करेंगे। अस्पताल भी अपनी वेबसाइटों पर संशोधित कीमतों को प्रमुखता से दिखाएंगे। उपभोक्ता संशोधित कीमतों की जांच के लिए फार्मा सही दाम ऐप और एनपीपीए वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार का कहना है कि कैंसर रोगी दवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाकर यह फल मरीजों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। 137 चिह्नित दवाओं में 20 से अधिक प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली इम्प्यून्थेरेपी दवाएं, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली डेनोसुमैब, कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिया को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पेगफिलग्रास्टिम और कोलन,

महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने तैयारी तेज, सरकार ने हलाला और लिव-इन पर जनता से मांगे सुझाव

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाषणा या एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में युनिफॉर्म सिविल कोड यूसीसी लागू करने के लिए 2029 की समय-सीमा तय की है। महाराष्ट्र में यूसीसी को लागू करने की तैयारी तेज हो चुकी है। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए बनाई गई समिति ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट लॉन्च की और आम लोगों से इस पर राय मांगी है। वेबसाइट पर 37 सवाल दिए गए हैं। उनमें शादी, तलाक, विरासत और उत्तराधिकार जैसे विषय शामिल हैं। आपको बता दें कि यह कानून उत्तराखंड में पहले ही लागू हो चुका है। इस साल गुजरात, असम और मध्य प्रदेश की विधानसभाओं में भी यूसीसी बिल पास किए हैं। गुजरात और असम के बिलों को इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान ने भी ड्राफ्टिंग कमेटीयां बना ली हैं। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि दिसंबर में होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूसीसी बिल पेश करने की कोशिश की जाएगी। समिति ने लोगों से जो सवाल पूछे हैं वह कुछ इस प्रकार हैं। क्या आप



इस समय महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने का समर्थन करते हैं? क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन किए बिना लागू किया जा सकता है? क्या इससे कानूनी विवाद कम होंगे और कानूनी प्रक्रियाएं अधिक प्रभावी बनेंगी? इन सवालों के जवाब में तीन विकल्प दिए गए हैं। लोगों से यह भी पूछा गया है कि क्या किसी शादीशुदा व्यक्ति को दूसरी शादी करने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक विवाह समारोहों को बनाए रखा जाना चाहिए? क्या ऐसे रिश्तों की एक सूची होनी चाहिए जिनमें शादी करना वर्जित हो? क्या लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए? क्या ऐसे रिश्तों की शुरुआत और अंत के लिए रजिस्ट्रेशन

जरूरी होना चाहिए? आपको बता दें कि 2022 में उत्तराखंड पहला राज्य था जिसने छठ के लिए ड्राफ्ट कमेटी बनाई थी। अब तक बनी सभी यूसीसी कमेटीयां की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज जस्टिस रंजना देसाई ने की है। इन सभी प्रश्नावली में मुख्य रूप से शादी, तलाक, भरण-पोषण, विरासत, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उत्तराखंड में पूछे गए सवाल महाराष्ट्र के सवालों से काफी मिलते-जुलते हैं। महाराष्ट्र में एक से अधिक विवाह और मुसलमानों में प्रचलित हलाला की प्रथा से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। आम जनता से फीडबैक लेने के लिए पोर्टल 15 नवंबर तक खुला रहेगा। इस वेबसाइट पर व्यक्ति और संगठन अपने फीडबैक और विस्तृत सुझाव दे सकते हैं। इस समिति में बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व जज एस. जी. मेहर, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र शराफ, सामाजिक कार्यकर्ता और पद्म श्री से सम्मानित कर्माचारी, शिक्षा विशेषज्ञ सुवर्णा रावल हैं। आपको बता दें कि इन 20 राज्यों में एसआईआर का काम पूरा हो चुकी है। फॉर्म 6 का शीर्षक नए

मतदाताओं के लिए आवेदन पत्र है। इसमें आवेदक को यह घोषणा देनी होती है कि वह पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर रहा है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत झूठी घोषणा करने पर 1 साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। जो लोग पहले से रजिस्टर्ड मतदाता थे और एसआईआर में जिनके नाम कट गए वे कानूनी कार्यवाई के डर से यह घोषणा करने से डर रहे हैं कि वे पहली बार आवेदन कर रहे हैं। अपने प्रस्ताव में महाराष्ट्र में शीर्षक में बदलाव करने के लिए कहा है। फॉर्म के शीर्षक से नए मतदाता शब्द को हटाया जाए। उन आवेदकों के लिए एक अलग घोषणा का विकल्प दिया जाए, जो पहले किसी विधानसभा क्षेत्र में रजिस्टर्ड थे लेकिन अब कहीं भी नहीं हैं और दोबारा नाम जुड़वाना चाहते हैं। आवेदकों को अपने पुराने वोटर आईडी (EPIC) नंबर को दर्ज करने की अनुमति दी जाए। किसी भी वैधानिक फॉर्म में बदलाव करने के लिए केंद्र सरकार को मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 में संशोधन करना पड़ता है।

मतदाताओं के लिए आवेदन पत्र है। इसमें आवेदक को यह घोषणा देनी होती है कि वह पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर रहा है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत झूठी घोषणा करने पर 1 साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। जो लोग पहले से रजिस्टर्ड मतदाता थे और एसआईआर में जिनके नाम कट गए वे कानूनी कार्यवाई के डर से यह घोषणा करने से डर रहे हैं कि वे पहली बार आवेदन कर रहे हैं। अपने प्रस्ताव में महाराष्ट्र में शीर्षक में बदलाव करने के लिए कहा है। फॉर्म के शीर्षक से नए मतदाता शब्द को हटाया जाए। उन आवेदकों के लिए एक अलग घोषणा का विकल्प दिया जाए, जो पहले किसी विधानसभा क्षेत्र में रजिस्टर्ड थे लेकिन अब कहीं भी नहीं हैं और दोबारा नाम जुड़वाना चाहते हैं। आवेदकों को अपने पुराने वोटर आईडी (EPIC) नंबर को दर्ज करने की अनुमति दी जाए। किसी भी वैधानिक फॉर्म में बदलाव करने के लिए केंद्र सरकार को मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 में संशोधन करना पड़ता है।

कश्मीर जा रही बस पर हरियाणा में हमला, बुजुर्ग के साथ मारपीट; सीएम उमर ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। दिल्ली से जम्मू-कश्मीर जा रही बस के ऊपर हरियाणा में हमला किया गया है। इस हमले में बस में सवार एक बुजुर्ग यात्री भी घायल हो गया है। बस के ड्राइवर ने बताया कि बस में सवार यात्रियों को खाने के ब्रेक के लिए एक होटल के पास पार्क किया था। इसी दौरान कुछ लोगों ने जम्मू-कश्मीर नंबर बस के हरियाणा में होने पर आपत्ति जताई और हमला कर दिया। बकौल ड्राइवर, हमलावरों ने उन्हें आतंकवादी भी कहा। इस घटना के सामने आने के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने हरियाणा समकक्ष के साथ बात की। हरियाणा प्रशासन ने इस मामले में सख्त से सख्त एक्शन लेने का भरोसा जताया है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली से जम्मू-कश्मीर जा रही बस नीलाखेरी, करनाल के डिवाइन स्टार होटल के लड़ाई हुई थी। इसी दौरान यह लड़ाई हुई। इस मामले पर बात करते हुए बस के ड्राइवर वक्कर ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया, हम दिल्ली से श्रीनगर की तरफ जा रहे थे।



खाना खाने के लिए नीलाखेरी में डिवाइन स्टार होटल के पास गाड़ी रोकी थी। इसी दौरान कुछ लोग वहां पार्किंग एरिया में आ गए। वह हरियाणा नंबर की बसें लगे गाड़ी से थे। वक्कर के मुताबिक, बस पार्क करने के एक मिनट बाद ही एक आदमी चिल्लाया, आतंकवादी गाड़ी निकाल यहां से वक्कर ने बताया कि इसके बाद जब उनसे पूछा, तो उन्होंने गुस्से में कहा कि एक जम्मू-कश्मीर नंबर की बस हरियाणा में पार्क नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा, मैं उनके पास गया और पूछा कि क्या मामला है? उसने मुझसे कहा कि जल्दी से इस बस को हटा लो क्योंकि वह हरियाणा में एक जम्मू-कश्मीर नंबर की बस को पार्क नहीं होने देंगे। वक्कर ने आगे बताया कि इसके बाद विवाद बढ़ गया और उन्होंने बस पर हमला करना

शुरू कर दिया। हमलावरों ने बस की फट विंड शील्ड पर हमला कर दिया और अन्य कांच भी तोड़ दिए। जम्मू-कश्मीर जा रहे ड्राइवर वक्कर ने आरोप लगाया कि बस पर हमला करने के बाद भी हमलावरों का गुस्सा कम नहीं हुआ। वह लगातार गोली मारने और बस में आग लगाने की धमकी दे रहे थे। उन्होंने बताया, वह हमें लगातार धमकी दे रहे थे। हम गोली मार देंगे, गाड़ी को आग के हवाले कर देंगे। हम मार देंगे। ऐसा गुंडापन बंद होना चाहिए। यहां के नंबर की गाड़ी भी मारते रहेंगे। हम गुजरती हैं। ऐसे बर्ताव से केवल दोनों तरफ से माहौल खराब होगा। इस घटना के बाद हरियाणा पुलिस एक्शन में आई। पुलिस के मुताबिक यह पूरा घटनाक्रम पार्किंग को लेकर शुरू हुआ था। इसके बाद वहां पड़ी हुई इंटों से यह घटना हुई। पुलिस के बस में एक सवारी शराब के नशे में थी। गाड़ी में सवार दोनों लोग भी शराब पीए हुए थे। यहीं से दोनों के बीच में विवाद शुरू हुआ। भूटाना पुलिस थाने के इंवांज ने इस घटना के बारे में जानकारी दी।

मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग हुई है। इस घटना में एक फैन और एक्टर के ड्राइवर के घायल होने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार लोगों ने उन्हें निशाना बनाते हुए फायरिंग की थी। इस घटना में उनके ड्राइवर के घायल होने की खबर सामने आई है। साथ ही घटनास्थल पर मौजूद एक फैन के भी घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार लोगों ने उन्हें निशाना बनाते हुए फायरिंग की थी। इस घटना में उनके ड्राइवर के घायल होने की खबर सामने आई है। साथ ही घटनास्थल पर मौजूद एक फैन के भी घायल होने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ फुटबॉल खेलने के लिए जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास मौजूद थे। तभी एक बाइक पर सवाल तीन लोग वहां पहुंचे और एक्टर की गाड़ी पर फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में घटनास्थल पर मौजूद एक ऑटो वाले को भी गोली लगने की खबर सामने आई है। मौके पर एंबुलेंस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचा गया है। इस मामले में पुलिस ने जानकारी दी है कि टाइगर श्रॉफ हमले में सुरक्षित हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। टाइगर श्रॉफ पर हुए इस हमले की वजह सामने नहीं आई है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें एक्टर की कार नजर आ रही है और बैकग्राउंड में गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है। गोलियों की आवाज आते ही चारों तरफ अफरातफरी मच जाती है। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने एक्टर की गाड़ी पर करीब 5 राउंड फायरिंग की है। इस मामले में आधिकारिक बयान आने का इंतजार हो रहा है। फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं की है। बॉलीवुड एक्टरस और सेलेब्स पर हमले की ये कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले सलमान खान और रोहित शेट्टी के घर पर भी फायरिंग की जा चुकी है।

ताजिकिस्तान में एससीओ की बैठक राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशाबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक आयोजित होने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ताजिकिस्तान में इस बैठक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह एससीओ की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक है। रक्षामंत्री 19 और 20 अक्टूबर को इसमें शामिल होने के लिए दुशाबे में रहेंगे। रक्षा मंत्रालय यह भी कहना है कि इस बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में जारी पहलों की प्रगति की समीक्षा करना है। यहां व्यापार से लेकर नवाचार तक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। बीते वर्ष यह बैठक मॉस्को में हुई थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस महत्वपूर्ण बैठक में एससीओ के सदस्य देशों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और सांस्कृतिक



सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके साथ ही संगठन के वित्तीय और संस्थागत कामकाज से जुड़े फैसलों पर भी विचार किया जाएगा। दुशाबे में होने वाली इस बैठक में भारत को एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर

विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। चर्चा का प्रमुख उद्देश्य ऐसे व्यावहारिक कदमों को आगे बढ़ाना होगा, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल सके। गौरतलब है कि भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है। संगठन के माध्यम से

भारत स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने जैसी पहलों में योगदान दे रहा है। आगामी बैठक में इन क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने के रास्तों पर भी विचार होने की उम्मीद है। दरअसल यह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है और भारत इसका महत्वपूर्ण सदस्य है। बीते साल भी भारत ने इसमें हिस्सा लिया था। एससीओ की शासनाध्यक्ष परिषद की पिछली बैठक 18 नवंबर 2025 को रूस की राजधानी मॉस्को में हुई थी। उस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया था। इस बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भागीदारी के साथ भारत दुशाबे में होने वाली बैठक में संगठन के सदस्य देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगा।

पिता ने ही मिलाया था मैगी में जहट, नोएडा में पांच लोगों की मौत के मामले में बड़ा ट्विस्ट

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से हर कोई सदमे में है। शुरुआत की रात महेश, उनकी पत्नी ललिता और तीन बच्चे रात को मैगी खाकर सोए और फिर शनिवार की सुबह उनके कमरे में उनके शव पड़े मिले। सभी की मौत हो चुकी थी। शुरुआती जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का समझ आया। लेकिन जांच आगे बढ़ी तो बात कुछ और ही निकली। जानकारी के मुताबिक इन सभी की मौत फूड पॉइजनिंग से नहीं बल्कि जहर खाने से हुई थी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस सूत्रों ने बताया कि महेश ने ही सभी की मैगी में जहर मिलाया था जिसे खाकर पांचों की मौत हो गई। महेश के फोन से एक ऑडियो मिला है जिसमें उसने मौतों का जिम्मेदार उसकी दो बहनों और जीजा को बताया है। पुलिस ने इन तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। रबपुरा के थाना प्रभारी (एसएसएओ) सुजीत उपाध्याय ने बताया कि मृतक की दो बहनों और एक जीजा को एक रिश्तेदार की ओर से मिली शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि संपत्ति के विवाद के कारण यह घटना हुई होगी। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम में जहर दिए जाने के संकेत मिले हैं, जिसके बाद विस्तर के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का सटीक कारण पता चल सकेगा। महेश, उनकी पत्नी ललिता (35), बेटी मिथी (7) और बेटे लड्डू (11) व साक्षात (3) के शव शनिवार सुबह रबपुरा के पास नगला श्री पदम गांव स्थित उनके घर से बरामद हुए थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह भी आशंका जताई जा रही है कि मानसिक तनाव और अवसाद के चलते महेश ने परिवार के साथ आत्मघाती कदम उठाया हो। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह और घटना के पीछे की परिस्थितियां जांच पूरी होने के बाद ही साफ होंगी।

संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

माता–पिता के रहते भी अनाथ होते बच्चे

हाल में एक वीडियो देखा, जिसमें एक महिला मांग में सिंदूर भरे, काजल, बिंदी और नेल पालिश लगाए, सिर ढके हुए हैं। साथ में उसका पुरुष मित्र खड़ा है। एक यूट्यूबर उससे सवाल करता है–तो आप अपने पति को छोड़ आई हैं? महिला कहती है–हां। यूट्यूबर फिर पूछता है–कारण क्या था? महिला कहती है–पति से प्यार नहीं करती थी। जिससे प्यार करती थी, उसके साथ आ गई। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई देती है। लड़के की मां उसे भला–बुरा कह रही है। रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत नाराज हो रही हैं। क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां, रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह साल का लड़का चालीस साल की महिला से मंदिर में शादी कर लेता है। उसे घर लाता है तो घर वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। मां कहती है कि यह उम्र में मुझसे कुछ ही छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे रही है। रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत नाराज हो रही हैं। क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां, रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह साल का लड़का चालीस साल की महिला से मंदिर में शादी कर लेता है। उसे घर लाता है तो घर वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। मां कहती है कि यह उम्र में मुझसे कुछ ही छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्त्र काल आया था। बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया। इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में आई हैं, जहां कोई महिला अपने दामाद के साथ चली गई। उसने अपनी लड़की के भविष्य के बारे में नहीं सोचा। एक महिला तो लड़की की शादी तय होने के बाद होने वाले दामाद से बातचीत करने लगी, फिर उसी के साथ रहने पर अड़ गई। किसी को अपने समथी से मोहब्बत हो गई। वह उसके साथ रहने पर अड़ गई। इन सभी कहानियों में एक जैसी बात जो सुनाई देती है, वह यह है कि शादी इनकी नहीं, इनके माता–पिता की मर्जी से हुई थी। इन्होंने जीवन में जिम्मेदारियों के अलावा प्यार जैसी चीज को कभी महसूस ही नहीं किया। इसलिए जैसे ही लगा कि किसी से प्यार हो गया है तो सब कुछ छोड़कर उसके साथ हो लीं। यह देखना भी दिलचस्प है कि इनमें से शायद ही किसी महिला का अपने पति से संबंध–विच्छेद हुआ है, तलाक लिया है या वे उससे अलग रह रही थीं। सब पति के साथ ही रह रही थीं और मंदिर में जाकर शादी कर लीं। ऐसे में कानूनी तौर पर तो इनका विवाह अंधे ही माना जाएगा। कल को यदि वह लड़का या नवयुवक, जिसके साथ ये अपने परिवार को छोड़कर चली आई हैं, वह भी इनसे किनारा कर ले तो कानून और पुलिस भी इनकी मदद नहीं कर सकेंगे। हां, यदि ये दुष्कर्म का आरोप लगा दें, तब शायद कुछ मदद हो सके, लेकिन वह भी कितनी होगी, कहा नहीं जा सकता। ऐसी ही एक घटना में महिला जिस लड़के के साथ गई थी, उसे छोड़कर अपने पति के पास लौटी थी, मगर उसने उसे अपनाने से मना कर दिया। इन मामलों का एक दूसरा पहलू भी है कि सभी महिलाओं के कई–कई बच्चे हैं। वे अपनी मां को खोज रहे हैं। वे बच्चे अपने संगी–साथियों, अड़ोस–पड़ोस के ताने एवं मजाक सुन रहे हैं। कइयों ने तो स्कूल तक जाना छोड़ दिया है। वे उस शर्मिंदगी को झेल रहे हैं, जिसमें उन्होंने कुछ नहीं किया। यह भी देखना दिलचस्प है कि ऐसी घटनाएं महानगरों के मुकाबले छोटे शहरों और गांवों में अधिक हो रही हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, यह समाजशास्त्रीय अध्ययन का विषय भी हो सकता है। पुराने जमाने से सुन रहे हैं कि पुत्र कुपुत्र (बुरा या नालायक) हो सकता है, लेकिन माता कभी कुमाता (बुरी) नहीं हो सकती, लेकिन इन घटनाओं ने जैसे इस विचार पर भी विराम लगा दिया है। स्त्रीवादी विचार इसे महिला की पसंद और उसके निर्णय लेने की क्षमता मान सकता है। यह भी कह सकता है कि आखिर स्त्री को भी अपनी जिंदगी चलाने के गलत–सही फैसले लेने का हक है। फिर बच्चों को पालने की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं की ही तो नहीं है। अरसे से पुरुष अपनी पत्नी के होते हुए भी दूसरी ले आते हैं, तब तो कोई शिकायत नहीं करता, लेकिन आज महिलाएं ऐसा करने लगीं तो सबको शिकायत हो रही है, लेकिन यदि स्त्री के अधिकार हैं तो ऐसे मामलों में उन बच्चों के अधिकारों को कैसे परिभाषित किया जाएगा? उनका तो पूरा जीवन ही दांव पर लग गया है। अब वे किसके पास जाएंगे? यदि अपनी मां ही उन्हें छोड़कर चली गईं तो कौन दूसरा है, जो उनकी सुनेगा? कल को यदि पिता भी दूसरी शादी कर ले तो उनका क्या होगा? यदि अपनी मां ही अपने बच्चों को पालना, उनकी देखभाल करना नहीं चाहती तो विमाता ऐसा क्यों करेंगी वह कह सकती है कि वह दूसरों के बच्चे क्यों पाले। ऐसे में उन बच्चों के पास न तो कोई अपना होगा, न कोई घर होगा। फिर उनकी पढ़ाई–लिखाई कैसे होगी उनके खाने–पीने का ध्यान कौन रखेगा कल को बीमार पड़ें तो उनकी देखभाल कौन करेगा कोई मारपीट करे तो उन्हें कैसे बचाया जाएगा बच्चों के लिए काम करने वाले संगठन कहते हैं कि बच्चों के समुचित विकास के लिए माता–पिता, दोनों का प्यार और स्नेह चाहिए। उन्हें प्यार के साथ डांटने और समझाने–बुझाने वाला तथा अच्छा करने पर तारीफ करने वाला भी चाहिए, लेकिन ये बच्चे तो माता–पिता के रहते हुए भी जैसे अनाथ होकर जी रहे हैं।

नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी की सियासत के 25 साल भारतीय राजनीतिक में कैसे स्थापित हुआ मोदी मार्ग

सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब कोई नहीं सोच रहा था कि मोदी एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे कुछ खास वजहें भी थीं। मोदी के गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य में एक–एक करके चार मुख्यमंत्री आए और चले गए थे। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं हैं और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पद के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित थे। इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का भी वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन वक्त के साथ, मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत भी बन चुके हैं। इसके पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ज्योति बसु के नाम देश में सबसे लंबे समय यानी करीब 23 साल सत्ता संभालने का रिकॉर्ड था। मोदी उस रिकॉर्ड से भी काफी आगे बढ़ चुके हैं। हाल के दिनों में एक वरिष्ठ हिंदी पत्रकार मोदी मार्ग की अवधारणा देकर आलोचनाओं के केंद्र में हैं। मोदी मार्ग की चर्चा हो तो वामपंथी तो सांड की तरह भड़केंगे ही, वे समाजवादी भी वरिष्ठ पत्रकार के आलोचक हो गए हैं, जो कभी उनके सहयोगी रहे या वे उनके साथी रहे। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का अपना और उनके दौर के भारत का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित

तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरु पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और स्वीकार्यता कम ही मिल पाती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिलने लगता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं होती रही, जैसे आज मोदी के वैचारिक विरोधी उनके तमाम कदमों की कटु आलोचनामें लीन रहते हैं। वैसे भी लोकतांत्रिकक दौर के भारतीय समाज की एक धारा रही है। शुरु में वह पदधारकों का शुरु में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, कुछ अपवादों को नें सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत भी बन चुके हैं। इसके पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ज्योति बसु के नाम देश में सबसे लंबे समय यानी करीब 23 साल सत्ता संभालने का रिकॉर्ड था। मोदी उस रिकॉर्ड से भी काफी आगे बढ़ चुके हैं। हाल के दिनों में एक वरिष्ठ हिंदी पत्रकार मोदी मार्ग की अवधारणा देकर आलोचनाओं के केंद्र में हैं। मोदी मार्ग की चर्चा हो तो वामपंथी तो सांड की तरह भड़केंगे ही, वे समाजवादी भी वरिष्ठ पत्रकार के आलोचक हो गए हैं, जो कभी उनके सहयोगी रहे या वे उनके साथी रहे। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का अपना और उनके दौर के भारत का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित

तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरु पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और स्वीकार्यता कम ही मिल पाती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिलने लगता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं होती रही, जैसे आज मोदी के वैचारिक विरोधी उनके तमाम कदमों की कटु आलोचनामें लीन रहते हैं। वैसे भी लोकतांत्रिकक दौर के भारतीय समाज की एक धारा रही है। शुरु में वह पदधारकों का शुरु में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, कुछ अपवादों को नें सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत भी बन चुके हैं। इसके पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ज्योति बसु के नाम देश में सबसे लंबे समय यानी करीब 23 साल सत्ता संभालने का रिकॉर्ड था। मोदी उस रिकॉर्ड से भी काफी आगे बढ़ चुके हैं। हाल के दिनों में एक वरिष्ठ हिंदी पत्रकार मोदी मार्ग की अवधारणा देकर आलोचनाओं के केंद्र में हैं। मोदी मार्ग की चर्चा हो तो वामपंथी तो सांड की तरह भड़केंगे ही, वे समाजवादी भी वरिष्ठ पत्रकार के आलोचक हो गए हैं, जो कभी उनके सहयोगी रहे या वे उनके साथी रहे। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का अपना और उनके दौर के भारत का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित

उत्तर प्रदेश कांग्रेस में कुर्सी की लड़ाई जूते-चप्पल तक आई, अजय राय ने बीजेपी में वापसी की टिकट कटाई

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कब कौन किस पाले में चला जाए, इसकी गारंटी न दिल्ली दे सकती है, न लखनऊ का कोई सियासी पंडित। अब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लेकर भी यही सवाल उटने लगा है कि क्या वह एक बार फिर भाजपा का दामन थाम सकते हैं? खाल उठ रहा है कि जिस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वारणसी में बार–बार चुनौती दी, क्या वही नेता अब कांग्रेस में अपनी सियासी जमीन खिसकती देख पुराने घर की ओर लौटने का रास्ता तलाश रहे हैं? फिलहाल यह अटकल है। लेकिन प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी छिन्ने, नए नेतृत्व से तानानी और लखनऊ कांग्रेस दफ्तर में जूते–चप्पल चलने के बाद इन चर्चाओं को हवा जरूर मिल गई है। वैसे कहावत है कि घर का भेदी लंका ढाए, लेकिन यूपी कांग्रेस का हाल देखिए, यहा लंका ढहाने के लिए विपक्ष को मशक्कत करने की जरूरत ही क्या है, जब अपने ही लोग एक–दूसरे से दो–दो हाथ करने को तैयार बैठे हों! हम आपको बता दें कि अजय राय को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाकर आराधना मिश्रा मोना को जिम्मेदारी सौंप दी गई। नई व्यवस्था में इमरान मसूद को भी कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। ममार संगठन में बदलाव का यह फैसला पुराने नेतृत्व और उसके समर्थकों के बीच सहज रूप से स्वीकार नहीं हुआ। अजय राय की नाराजगी की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि उन्हें हटाने के तरीके से वह असहज थे। उन्हें लगता है कि उनकी भूमिका और राजनीतिक हैसियत को नजरअंदाज किया गया। देखा जाये तो यूपी की राजनीति में पद केवल नाम के आगे लगाने वाला तमगा नहीं

जाये तो इस घटना ने यूपी कांग्रेस की एक पुरानी बीमारी को फिर उजागर कर दिया है। पार्टी में कार्यकर्ताओं से ज्यादा नेताओं की फौज दिखाई देती है। हर नेता को अपना खेमा चाहिए, हर खेमे को अपनी हैसियत चाहिए और हर हैसियत को संगठन में अपनी हिस्सेदारी चाहिए। सवाल यह है कि जब पार्टी कार्यालय में ही नेतृत्व की इज्जत और अनुशासन की हिकाजत नहीं हो पा रही, तो गांव–कस्बों में संगठन खड़ा करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? एक ओर चुनाव सामने हैं दूसरी ओर ऐसे वक्त पर अगर पदभार ग्रहण समारोह में जूते चल रहे हैं, तो टिकट बंटवारे, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति और चुनावी गठबंधन के वक्त यह खींचतान किस मुकाम पर पहुंचेगी इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। यह आश्ंका निराधार नहीं है कि जैसे–जैसे 20२7 का विधानसभा चुनाव नजदीक आएगा, कांग्रेस की गुटबाजी और जूतम–पैजार बढ़ सकती है। अपने वाले दिनों में टिकट के दावेदार बढेंगे, पदों की खींचतान तेज होगी और हर नेता अपने समर्थकों के साथ ताकत दिखाने की कोशिश करेगा। अगर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने अभी से अनुशासन की स्पष्ट लक्ष्मण रेखा नहीं खींची, तो चुनावी तैयारी से ज्यादा ऊर्जा आपसी हिसाब चुकता करने में खर्च हो सकती है। साथ ही इस पूरे विवाद को केवल अजय राय बनाना नए नेतृत्व की लड़ाई बताकर खत्म नहीं किया जा सकता।

ममता चौधरी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ अभद्रता हुई और उन्हें धमकाया गया। उन्होंने अजय राय पर दलित विरोधी व्यवहार का आरोप भी लगाया है। दूसरी ओर, अजय राय ने भी ममता चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की गुटबाजी और जूतम–पैजार बढ़ सकती है। अपने वाले दिनों में टिकट के दावेदार बढेंगे, पदों की खींचतान तेज होगी और हर नेता अपने समर्थकों के साथ ताकत दिखाने की कोशिश करेगा। अगर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने अभी से अनुशासन की स्पष्ट लक्ष्मण रेखा नहीं खींची, तो चुनावी तैयारी से ज्यादा ऊर्जा आपसी हिसाब चुकता करने में खर्च हो सकती है। साथ ही इस पूरे विवाद को केवल अजय राय बनाना नए नेतृत्व की लड़ाई बताकर खत्म नहीं किया जा सकता। ममता चौधरी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ अभद्रता हुई और उन्हें धमकाया गया। उन्होंने अजय राय पर दलित विरोधी व्यवहार का आरोप भी लगाया है। दूसरी ओर, अजय राय ने भी ममता चौधरी के खिलाफ कार्रवाई

पर देखें तो मोदी का जीवट व्यक्तित्व उभरता है। कह सकते हैं कि तिरस्कार और आलोचनाओं से वे ताकत ग्रहण करते हैं, कुछ–कुछ मिथकीय पात्र बालि की तरह। जिस तरह बालि के सामने आए उसके विरोधियों की आधी ताकत बालि में ही समाहित हो जाती थी, मोदी को उसी तरह विरोधियों की आलोचनाओं से ताकत ग्रहण करते हैं और अपनी राह बनाते रहते हैं। तीखे और अपमानजनक विरोध से जीवट से जीवट वाली शख्सियतें टूट जाती हैं, मोदी की ना सिर्फ कटु आलोचना हुई या हो रही है, उन्हें सार्वजनिक मंचों से घटिया, अश्लील और फूहड़ गालियां दी जा रही हैं। अतीत में उन्हें चरित्र हनन की सीमा तक बदनाम करने की कोशिशें हुईं। लेकिन मोदी रुकें नहीं। कभी पद के पीछे से राजनीति करने वाले मोदी लगातार आगे बढ़ते रहे। गुजरात में जब चीजें पटरी पर आनी शुरू हुईं तो उन्होंने राज्य के विकास को लेकर अपना मॉडल पेश किया। जिसे कालांतर में देश ने उसे ‘गुजरात मॉडल’ के नाम से जाना। ‘गुजरात मॉडल’ के विकास और इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए प्रवासियों और निवेशकर्ताओं को लुभाने के लिए उन्होंने ‘वायवेंट गुजरात’ नाम से आयोजन शुरू किए। जिसे देखते ही देखते राज्य की जनता ने तो अपनाया ही, प्रवासियों ने भी हाथोंहाथ लिया। इसी का असर रहा कि जिस राज्य में महज पांच साल में चार मुख्यमंत्री आए और गए, उसी राज्य में मोदी ने साढ़े बारह साल से अधिक वक्त तक सत्ता संभालने का रिकॉर्ड बनाया। 2०12 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी ख्याति राज्य से बाहर की सीमाओं तक पैठ बना चुकी थी या बना रही थी। इसका ही नतीजा रहा कि 2०12 के गुजरात विधानसभा चुनावों

के वक्त राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने मोदी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर लिया। तब कहा जा रहा था कि गुजरात इस बार सिर्फ अपने मुख्यमंत्री का ही नहीं, बल्कि देश के भावी प्रधानमंत्री का भी चुनाव कर रहा है। मोदी की राजनीतिक यात्रा जातिवादी राजनीति का जवाब भी है। कांग्रेस के प्रथम परिवार, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी को छोड़ दें तो आज के ज्यादातर बड़े राजनेता कहीं न कहीं सिर्फ अपनी जातियों के नेता हैं या उनकी राजनीतिक बुनियाद का आधार उनकी जाति है। लेकिन मोदी की लोकप्रियता में उनकी जाति का कोई आधार नहीं है। मोदी ने अपने लंबे शासन काल में ढरों उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन मोटे तौर पर देखें तो उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि भारत की वैश्विक मंच पर बदली छवि। उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। मोदी कहते हैं कि उनकी नजर में राममंदिर बन चुका है, महिला, युवा, गरीब और किसान। मोदी के लंबे शासन काल में इन चारों ही वर्गों का ध्यान ठीक से रखने की कोशिशें बढ़ी हैं। भारत दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिक महाशक्ति अगर बन चुका है, तो इसके पीछे उनका नजरिया भी है। कृषि में साढ़े बार प्रतिशत सालाना की विकास दर हासिल की जा चुकी है, बीजेपी के एजेंडें के तहत अयोध्या में राममंदिर बन चुका है, कश्मीर को अलग–थलग करने वाले सविधान के विशेष अनुच्छेद ३7० को निष्पाभावी बनाया जा चुका है। मोदी के शासनकाल की उपलब्धियों को गिाने बैठें तो पूरी रात गुजर जाएगी। बस मोटे तौर पर कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है।

भारतीय आकांक्षाओं को समझे अमेरिका

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर के बीच भारत में होंगे। इस दौरान वे नई दिल्ली के बजाय मुंबई और जामनगर में होंगे। उनके इस कार्यक्रम को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं, पर लगता है फिलहाल उनकी प्राथमिकता ऊर्जा एवं वाणिज्यिक हितों से जुड़ी हुई अधिक है। जो भी हो, उनका यह दौरा तब हो रहा है, जब भारत–अमेरिका संबंध एक निर्णायक मोड़ पर है, जब व्यापार वार्ता अधर में अटकती है और रूसी तेल की खरीद को लेकर वाशिंगटन भारत पर दबाव बढ़ा रहा है। ऐसे में रुबियो का दौरा काफी हद तक यह तय करेगा कि क्या ट्रंप प्रशासन अपने व्यावहारिक लेनदेन वाले दृष्टिकोण और भारत को दिए जाने वाले रणनीतिक महत्व के बीच अपेक्षित तालमेल बना पाता है या नहीं? सवाल यह भी है कि क्या अमेरिका भारत के साथ ऐसी गहरी साझेदारी बना सकता है, जिसमें नई दिल्ली को दोस्ती निभाने के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को ताख पर न रखना पड़े भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों की अहमियत भलीभांति समझता है, लेकिन रणनीतिक निकटता का मतलब रणनीतिक अधीनता नहीं है। भारत की विदेश नीति की नींव आज भी रणनीतिक स्वायत्तता पर टिकी है और उसके तमाम वैश्विक गटजोड़ राष्ट्रीय हितों को साधने



के माध्यम ही हैं। वाशिंगटन के सामने असल चुनौती इसी बारीक अंतर को समझने की है। भारत अमेरिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग को तैयार तो है, पर इस साझेदारी की शर्तें केवल अमेरिकी महत्वाकांक्षाओं से तय नहीं होंगी। उनमें भारतीय प्राथमिकताओं का अवस भी झलकना चाहिए। अमेरिका को अपनी टेरिफ कूटनीति की सीमाओं को भी पहचानना होगा। याद रहे कि आर्थिक दबाव सामने वाले को वार्ता के लिए तैयार तो कर सकता है, लेकिन इससे रियायतें सुनिश्चित नहीं

हो सकतीं। जरूरत से ज्यादा दबाव का एक नतीजा यह भी हो सकता है कि भारत अपने बाजारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधीकरण पर जोर दे। ऐसा होने पर वही कारोबारी रिश्ते पटरी से उतर सकते हैं, जिन्हें वाशिंगटन और गहरा करना चाहता है। वार्ता का उद्देश्य परस्पर लाभ पर आधारित सहमति होना चाहिए। उसकी सफलता इस बात से नहीं तय हो सकती कि भारत ने कितनी रियायतें दी हैं। रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा की जा रही खरीद उसकी रणनीतिक स्वायत्तता की एक

बड़ी परीक्षा है। बीते दिनों अमेरिका ने रूसी ऊर्जा उत्पाद खरीदने वाले देशों को आर्थिक रूप से दंडित करने के लिए एक कानून भी बनाया। इन देशों को 18 अक्टूबर तक तय करना होगा कि वे आगे क्या रुख अपनाएंगे? इसकी अवधि समाप्त होने के दौरान ही रुबियो भारत में होंगे।

भारत के लिए ऊर्जा की खरीद राष्ट्रीय सुरक्षा, वाणिज्यिक व्यावहारिकता और घरेलू उपभोक्ताओं के हितों से ही तय होनी चाहिए। खास तौर से तब और जब रूसी तेल आपूर्ति में विविधता लाने और आयात लागत घटाने में अहम भूमिका निभा रहा हो। भारत के पास ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह किसी बाहरी ताकत को अपने ऊर्जा विकल्पों पर उसकी शर्तें थोपने की छूट देने जैसी कोई अनुचित परंपरा स्थापित होने दे। वहीं, अमेरिका द्वारा अपने घरेलू ईंधन संकट के बीच रूसी डीजल की खरीद की ओर कदम बढ़ाने की खबरों ने उसकी भू–राजनीतिक मांगों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के दोहरे रवैये एवं अंतर्विरोधों को ही उजागर किया है। जामनगर का पड़ाव रुबियो के दौरे को एक स्पष्ट रणनीतिक और वाणिज्यिक आयाम देत दिखाता है। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी रोजाना 1४ लाख बैरल तेल का परिशोधन करने में सक्षम है।

वैश्विक पेट्रोलियम शोधन और तैयार रिफाइनंड उत्पादों के निर्यात में यह एक प्रमुख केंद्र है। अलग–अलग गुणवत्ता वाले कच्चे तेल के परिशोधन की इसकी बेजोड़ क्षमता इसे ऊर्जा विविधीकरण के केंद्र में ले आती है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक तेल बाजार, निजी निवेश और अमेरिकी कारोबारी महात्वाकांक्षाएं आपस में जुड़ती हैं। मार्च 2०26 में ट्रंप द्वारा टेक्सस के ब्राउन्सविले क्षेत्र में घोषित रिफाइनरी परियोजना से जुड़े निवेश और उत्पाद खरीद समझौते द्विपक्षीय वाणिज्यिक रिश्तों को और प्रगाढ़ कर सकते हैं।

देखा जाए तो अमेरिका में भारतीय निवेश भारत के बढ़ते आर्थिक दायरे और पहुंच का परिचायक है। इसमें अमेरिकी ऊर्जा प्राथमिकताओं के आगे झुकने की बाध्यता जैसा कोई पहलू नहीं। इसी तरह, अमेरिकी ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं को भी भारतीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी सुरक्षित करने के लिए राजनीतिक दबाव पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धी कीमतों और आपूर्ति की विश्वसनीयता को आधार बनाना होगा। याद रहे कि मजबूत वाणिज्यिक रिश्ते तभी टिकाऊ हो सकते हैं, जब वे भारत के रणनीतिक विकल्पों का दायरा बढ़ाएं, न कि उन्हें सीमित करें। रुबियो का दौरा एक ऐसे समय पर हो रहा है,

जहां द्विपक्षीय संबंधों से जुड़ी संभावनाएं भी हैं और अनिश्चितताएं भी। व्यापार वार्ताएं अभी किसी मुकाम पर नहीं पहुंची हैं, रूसी तेल पर प्रतिबंधों का मसला भी नाजुक मोड़ की तरफ बढ़ रहा है। दोनों देशों के समक्ष ऊर्जा निवेश और कारोबारी सहयोग को विस्तार देने के दौरा कारणा मौजूद हैं। रुबियो का दौरा आगे बढ़ने की राह में कुछ व्यावहारिक रास्ता तो निकाल सकता है, लेकिन इससे दोनों देशों की रणनीतिक प्राथमिकताओं में मौजूद बुनियादी अंतर्विरोध शायद ही मिट पाएं। भारत अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को तैयार तो है, लेकिन अपनी विदेश नीति के मूलभूत सिद्धांतों की कीमत पर नहीं। वाशिंगटन इस पहलू को जितनी जल्दी समझा ले तो सार्थक द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाएं उतनी ही बरबत होगी। इसकी अनदेखी रणनीतिक अवसरों की राह में निरंतर अवरोध पैदा करती रहेगी। भारत–अमेरिका रिश्ते का भविष्य इस बात से तय नहीं होगा कि भारत वाशिंगटन की उम्मीदों के मुताबिक खुद को कितना ढालता है, बल्कि इससे तय होगा कि अमेरिका एक उभरते हुए भारत के साथ ऐसी शर्तों पर संवाद एवं सहयोग स्थापित करने में कितना सफल होता है, जो नई दिल्ली के स्वाभिमान और हितों के अनुकूल हों।



एक नज़र

कचरा मुक्त दिल्ली की ओर कदम; 1200 से अधिक कॉलोनियां हंगी जीरो वेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में नया कीर्तिमान स्थापित होने वाला है। दिल्ली में जीरो वेस्ट (शून्य अपशिष्ट) कॉलोनियों की क्षमता 1200 से अधिक बढ़ जाएगी। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मद्देनजर शनिवार से रिफॉर्म उत्सव 2026 का आगाज किया है। इसे लेकर एमसीडी प्रशासन लगातार लोगों को कचरे के निस्तारण, मौके पर कूड़े के निस्तारण व रिसाइकल प्रणाली के बारे में जागरूक कर रहा है। इस पहले के जरिए अब तक घोषित 823 से अधिक जीरो वेस्ट कॉलोनियों एवं आरडब्ल्यूए ने अपने अनुभव और सफल प्रयास को साझा करेंगी। साथ ही, एमसीडी प्रशासन ने बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) के रूप में चिह्नित 400 से अधिक संभावित कॉलोनियों और आरडब्ल्यूए को जीरो वेस्ट का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए निगम के साथ समझौता ज्ञानन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए भी आमंत्रित किया गया। इस संबंध में महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि निगम द्वारा लगातार दिल्ली में कॉलोनियों और आरडब्ल्यूए को लगातार जीरो वेस्ट कॉलोनियों में परिवर्तित करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए रिफॉर्म उत्सव 2026 कार्यक्रम पहल को शुरू किया है। इसके जरिए लोगों को नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में जागरूक कर रहे हैं। इसके अलावा, अब दिल्ली में जीरो वेस्ट कॉलोनियों की संख्या 1200 से अधिक हो जाएगी। अभी इसकी संख्या 823 से अधिक है। निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट उत्पादक (बीएसडब्ल्यूए) वाली 400 से अधिक कॉलोनियां एमओयू किया जाएगा। इस संबंध में निगम की पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं (डैम्स) समिति के अध्यक्ष सदीप कपूर ने रिफॉर्म उत्सव कार्यक्रम में बताया कि एमसीडी ने दिल्ली में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।।प्रभावी कचरा प्रबंधन को लेकर मौके पर ही कचरे को अलग-अलग करने और संसाधित करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की।

कॉंकरोवों की फंडिंग पर बोले बर्गर खाने पर सीजेपी से निकाले गए विजेता दहिया

नई दिल्ली। (सीजेपी) की फंडिंग को लेकर अक्सर तरह-तरह के सवाल खड़े किए जाते हैं। इस बीच बर्गर खाने की वजह से सीजेपी से निकाले गए विजेता दहिया ने फंडिंग को लेकर प्रतिक्रिया दी है। दहिया ने कहा है कि फंडिंग को लेकर अगर सीजेपी से ही सीधे सवाल किया जाए तो यह ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि वे अब संगठन का हिस्सा नहीं हैं। विजेता दहिया ने इसके साथ ही सीजेपी में रहते किए गए खर्च को लेकर भी अपनी बात रखी। दहिया ने कहा कि अभी देखिए कि एमसीडी का हिस्सा हूँ नहीं तो ये आप उनसे (सीजेपी) से पूछेंगे तो ज्यादा बेहतर रहेगा। जबतक मैं था तबतक एक-एक रुपये अपनी जेब से खर्च किया था। एकबार जैसे मैं हैदराबाद गया था फ्लाइट का आने-जाने का खर्च था या यहां से हर रोज जंतर-मंतर जाना था। मतलब जो भी कोई खर्चा था सबकुछ मैंने अपने उससे खर्च किया था। और कोई एक पैसा भी सीजेपी के फंड से या कहीं से मैंने लिया नहीं। दरअसल सीजेपी की फंडिंग को लेकर ताजा विवाद अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन के एक दावे के बाद शुरू हुआ। सिंगर का दावा है कि सीजेपी को भारत में प्रदर्शन करने के लिए अमेरिकी फंडिंग मिल रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं के लिए यह चुप रहने का समय नहीं है बल्कि इस कथित विघटनकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने बताया था कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ काम करने वाले दानदाता कॉंकरोच जनता पार्टी को आर्थिक मदद दे रहे हैं। वहीं सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके की मैरी मिलबेन से इसपर बहस भी हुई थी। दीपके ने आंतरिक मामले में विदेशी हस्तक्षेप पर सवाल खड़े किए थे। आपको बता दें कि भाजपा अभिजीत दीपके के अमेरिकी में की पढ़ाई के खर्च को लेकर भी सवाल खड़ी कर चुकी है।

दुर्गा पूजा समारोह में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मोझा सबका मन

नई दिल्ली। गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक में आयोजित दुर्गा पूजा समारोह में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। बच्चों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर गाजियाबाद के विधायक संजीव शर्मा जी ने दुर्गा पूजा पंडाल में पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने बच्चों के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनका मनोबल बढ़ाया। विधायक संजीव शर्मा ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजकों को बधाई दी और धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों की सराहना की।

नोएडा सेक्टर-62 के सामने एनएच-9 पर खत्म होगा जाम डीएम ने सर्वे को 3 सदस्यीय कमेटी बनाई

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे-9 (NH-9) नोएडा सेक्टर-62 के सामने गाजियाबाद की सीमा में जाम से राहत दिलाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए गाजियाबाद के डीएम रविंद्र मांद्रड़ ने एक कमेटी बनाई है। कमेटी सर्वे के बाद सुझाव देगी और फिर इसी आधार पर काम शुरू होगा। नोएडा सेक्टर-62 के सामने गाजियाबाद सीमा में हाईवे पर अक्सर जाम लगा रहता है। सुबह और शाम वाहन चालकों को अधिक परेशानी होती है। वहां सवारी उतारने और बैठाने के लिए ऑटो और बसें खड़ी रहती हैं। नौकरीपेशा लोग नोएडा से गाजियाबाद, हापुड़ और अन्य शहरों को जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़े होते हैं। ऑटो और बसों के ठहरने से जाम लग रहा है। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को जाम खुलाने के लिए मशक़त करनी पड़ती है। डीएम रविंद्र मांद्रड़ ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जाम और हादसे खत्म करने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट, लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के एक्सईएन की तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। कमेटी स्थलीय निरीक्षण कर सर्वे करेगी। जाम खत्म कैसे किया जा सकता है, इस पर काम करेगी। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन रामराजा ने बताया गाजियाबाद सीमा में हाईवे पर जहां बसें और ऑटो खड़े होते हैं, उस स्थान से आगे या पीछे की तरफ करीब दो से तीन किलोमीटर के दायरे में सर्विस रोड के पास जमीन तलाश की जा रही है। जमीन मिलने पर वहां स्टैंड



बनाएंगे। बस और ऑटो स्टैंड पर रुकेंगे। सवारी उतारने के बाद बस फीस एनएच-9 पर प्रवेश करेंगी। फिलहाल इस पर मंथन चल रहा है। जमीन तलाश की जा रही है। लाजपत नगर में सुबह और शाम में लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को राहत

दिलाने के लिए सड़क चौड़ीकरण

आईएमटी मानेसर में बनेगा डाटा सेंटर पार्क, स्थानीय युवाओं को मिलेगी नौकरियां

नई दिल्ली। हरियाणा के आईएमटी मानेसर में एक विश्व स्तरीय डाटा सेंटर पार्क बनाने की तैयारी है। इससे गुरुग्राम और फरीदाबाद को वैश्विक हब बनाने में मदद मिलेगी। नई हरियाणा डाटा सेंटर नीति-2026 के तहत 5 वर्षों तक प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए 20 हजार करोड़ रुपये का समझौता हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इससे निवेश बढ़ेगा और कम से कम 15 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि आईएमटी मानेसर में विश्व स्तरीय डाटा सेंटर पार्क स्थापित करने की योजना तैयार हो चुकी है। इसका उद्देश्य गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित राज्य की इकाइयों के लिए पसंदीदा वैश्विक हब बनाना है। इससे निवेश के साथ उद्योगों में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हारटॉन) के प्रबंध निदेशक डॉ. यश गर्ग ने कहा कि गुरुग्राम समेत राज्य में डाटा सेंटर पार्क करीब 74 सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों को सेवाएं प्रदान करेगा। इसके निवेशकों को वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन करना है। इस डाटा सेंटर से स्थानीय निवासियों को रोजगार मिलेगा। सरकार की ओर से प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नई हरियाणा डाटा सेंटर नीति-2026 लागू हो चुकी है। यह नीति अगले पांच वर्षों के लिए वैध होगी। इसका उद्देश्य गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित पूरे राज्य को डाटा सेंटर पार्क और उद्योगों के लिए एक पसंदीदा वैश्विक हब बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने हरियाणा बिल्डिंग कोड में बदलाव कर डाटा सेंटरस के लिए 500 प्रतिशत प्लोन एरिया रेशियो (एफएआर) और 60 प्रतिशत ग्राउंड कवरेज की अनुमति दी है, जिससे औद्योगिक भूखंडों पर पांच गुना तक वर्टिकल निर्माण (ऊंची इमारतें) किया जा सकेगा। इस पहलकदमी से स्थानीय लोगों को रोजगार के मौके मिलेंगे।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय पर महिलाओं का विरोध प्रदर्शन, एसआईआर और बदसलूकी के खिलाफ लगाए नारे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर पुलिस कार्रवाई के विरोध में शनिवार दोपहर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में महिलाएं शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्य्यवहार किया जा रहा है। इसके अलावा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और चुनाव में धांधली के आरोप में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर जमकर नारेबाजी भी की विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला संगठन पुलिस अधिकारियों से मिले और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पुलिस आयुक्त से मिलने का समय भी मांगा गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, महिलाओं के समूहों और कार्यकर्ताओं ने इस दौरान दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च निकाला। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान

महिलाओं और ट्रांसजेंडर प्रदर्शनकारियों के साथ हो रही छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी एक्शन की मांग की। विरोध प्रदर्शन में वामपंथी महिला समूहों ने भी मोर्चा संभाला। विरोध प्रदर्शन के दौरान हाथों में तख्तियां और बैनर थाम महिलाओं ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। आपको बता दें कि हाल में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके अलावा विशेष प्रदर्शन के दौरान इस तरह के आरोप कुछ और महिलाओं ने भी लगाए हैं। इधर जस्टिस मोर्चा ने आज 2:30 बजे जंतर-मंतर को दोबारा बतौर प्रदर्शन स्थल को नोटिफाई करने का आह्वान किया है। ये मार्च प्रेस क्लब ऑफ इंडिया से जंतर मंतर की ओर प्रस्तावित है। आपको बता दें कि कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में शुक्रवार को कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने तिरंगा मार्च निकाला था मगर पुलिस ने करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया।

दिल्ली के व्यापार पर विरोध प्रदर्शन की मार, 3 हजार करोड़ का नुकसान, 700 बाजारों पर असर

नई दिल्ली। राहुल मानव, नई दिल्ली- दिल्ली और देश में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि अक्टूबर महीने में दिल्ली में हो रहे लगातार धरने-प्रदर्शनों के कारण दिल्ली के व्यापार को अब तक लगभग 3000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। 10 अक्टूबर को हुए पहले प्रदर्शन में 2000 करोड़ और 13 से 16 अक्टूबर के बीच सेंट्रल दिल्ली में हुई नाकाबंदी, मेट्रो बंदी और सेंट्रल पार्क बंद होने से अतिरिक्त 1000 करोड़ का नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा मार रिटेल पर पड़ी है। सदर बाजार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधी नगर, नया बाजार, आवाजही रुकी, सफ़ाई चैन टूटी। खारी बावली, करावल नगर, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, कर्नाट प्लेस सहित दिल्ली के 700 से ज्यादा बाजार



प्रभावित हुए। इसके चलते नवरात्रि और दिवाली की पीक खरीददारी ठप्प पड़ गई। 2. थोक व्यापार पर अड़ारी खरीदार – 600 करोड़ रुपए (20%) सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और रिटेल पर पड़ी है। सदर बाजार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधी नगर, नया बाजार, आवाजही रुकी, सफ़ाई चैन टूटी। खारी बावली, करावल नगर, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, कर्नाट प्लेस सहित दिल्ली के 700 से ज्यादा बाजार

बुकिंग कैसिल हुई। कर्नाट प्लेस, खान मार्केट के रेस्टोरेट में शाम की बुकिंग जारी रही। ट्रिस्ट, खासकर विदेशी पर्यटक, सेंट्रल दिल्ली आने से कतरा रहे हैं। 20 से ज्यादा मेट्रो स्टेशन बंद, 10-12 किलोमीटर दूरी तक, बस रुट डायवर्ट होने से ऑटो, टैक्सी, ई-रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी बंद हो गई। ट्रांसपोर्टरों के 5000 से ज्यादा ट्रक-टोपो जाम में फंसे रहे।

सबसे ज्यादा मार गरीब तबके पर पड़ी। लोडिंग-अनलोडिंग मजदूर, कारीगर, सेक्समैन, हॉकर, रेडी-पटरी वालों की दिहाड़ी पूरी तरह चली गई। गांधी नगर, सदर बाजार में 50,000 से ज्यादा दिहाड़ी मजदूर बेरोजगार बैठे रहे। CTI चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, 10 अक्टूबर को लॉकडाउन जैसे हालात थे, 16 अक्टूबर को सेंट्रल पार्क बंद रहा। 10,000 पुलिसकर्मी तैनात

मोदीजी कोई चक्रवर्ती सम्राट नहीं जो रिजीम चेंज के मुद्दे पर बोले आप सांसद

लोग पिछले दो-तीन दिनों से लगातार रोना रो रहे हैं, उनका रोना ही नहीं रूक रहा बेचारा का, एकदम छुई-मुई की तरह, जैसे कि पात्रा नहीं कौन सी भारी चोट उनके दिल को लग गई है। वो लोग चीख रहे हैं, चिल्ला रहे हैं, कि देखो ये तो सत्ता परिवर्तन की बात कर रहे हैं, जिसे अंग्रेजी में लोग रिजीम चेंज-रिजीम चेंज कह रहे हैं। इन लोगों ने सत्ता परिवर्तन की बात कह दी देखो देखो। संजय सिंह ने कहा, अरे भाजपाईयों तो हम लोग क्या कहें, ये कहें कि मोदीजी आप चक्रवर्ती सम्राट हैं, आपका जन्मसिद्ध अधिकार है कि जबतक आप जीवित हैं, इस देश के ऊपर राज करें। क्योंकि आप तो एक राजा के पुत्र हैं और राजा की तरह ही आपको इस देश पर राज करने का अधिकार है। आगे उन्होंने सत्ता

परिवर्तन को लोकतंत्र का मूल बताते हुए कहा, बाबा साहब आंबेडकर जी ने इस देश के लिए एक संविधान लिखा है, उसमें लिखा है कि हर पांच साल के बाद एक सरकार चुनी जाएगी, सत्ता पक्ष होगा, विपक्ष होगा, और जनता के मुद्दों पर आंदोलन करने का हक होगा। और जो सरकार जनता के हित में काम नहीं करेगी, उसको सत्ता से जाना होगा। तो सत्ता परिवर्तन होगा, ये लोकतंत्र का सिद्धांत है। ये संविधान में दिया गया अधिकार है। ये अंबेडकर और देश के अन्य महापुरुषों द्वारा दिया गया अधिकार है। इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमे लगाने का जिन्न करते हुए कहा, हम लोग तो नहीं रोते, आपने फर्जी मुकदमे लगा लगाकर हमको और हमारे नेताओं को पकड़

पकड़कर जेल में डाल दिया, हमने कभी रोना नहीं रोया। आपने इसी दिल्ली के अंदर नौजवानों को लाठियों से बर्बरतापूर्वक पीटवाया, उनको घसीटा, उनको पीटा, तीन बार घसीट-घसीटकर गिरफ्तार किया गया, हमारे लोगों को हमारे सामने। मुझे किया गया गिरफ्तार। हम लोग तो रोना नहीं रोते। राज्यसभा सांसद ने आगे कहा, आप लोग इतने छुई-मुई हो, आप चाहते हो कि इस देश में हमेशा आपका ही राज रहेगा, आपकी ही सत्ता रहे। लेकिन लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन करना जनता का अधिकार है, और वोट चोरी करके जो सत्ता आई है, उसको सत्ता से जाना होगा। रिजीम चेंज करना होगा। हम तो नारा लगाते हैं वोट चोर गद्दी छोड़। और 2013 में मोदीजी भी सत्ता के खिलाफ नारा लगाते थे,।

पहले से थे बच्चे फिर भी लिया गोद; हाई कोर्ट सख्त, लावारिस बच्ची सौंपने की सिफारिश रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) को गोद लेने की प्रक्रिया में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया है। अदालत ने पाया कि प्रशासनिक खामियों के कारण एक लावारिस बच्ची को गलती से सिंगापुर के एक ऐसे दंपति को सौंपने की सिफारिश (रेफरल) कर दी गई जो लागू नियमों के तहत सामान्य श्रेणी में बच्चा गोद लेने के योग्य नहीं थे। अदालत ने पाया कि जब इस दंपति के पहले से बच्चे थे तो बच्ची को गोद लेने के लिए पात्र नहीं थे। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि दंपति द्वारा बच्ची को अपना लेना और परिवार का उससे भावनात्मक रूप से जुड़ जाना, उन्हें कानूनी रूप से बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह सिफारिश गोद नियम, 2022 (गोद लेने संबंधी नियम) के खिलाफ है। पीठ ने सीएआरए को निर्देश दिया है कि वे किसी भी बच्चे को गोद देने की सिफारिश करने से पहले संभावित माता-पिता की पात्रता की जांच करें। साथ ही अपने एजेंडेशन पोर्टल के माइग्रेशन (स्थानांतरण) से प्रभावित प्रोफाइल का ऑडिट करें, अनापति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने की समय-सीमा का पालन करें, आवेदन की स्थिति को सही ढंग से दर्ज करें और जहां भी खामियां पाई जाएं, वहां जिम्मेदारी तय करें। पीठ ने सीएआरए को यह भी निर्देश दिया कि वे बच्ची (जिसे फैसले में बेबी के कहा गया है) को कानून के अनुसार, गोद देने के लिए तत्काल कदम उठाएं। इसके साथ ही पीठ ने बच्ची की स्थिति को लेकर पहले दिए गए अपने अंतरिम आदेश (जिसमें यथास्थिति बनाए रखने को कहा गया था) को भी हटा दिया है। पीठ ने टिप्पणी की कि पात्रता के मानदंडों को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि किसी विशेष मामले में इन्हें लागू करने से संभावित माता-पिता को परेशानी या दुख हो सकता है। 15 अक्टूबर को सुनाए गए इस फैसले में पीठ ने गुप्ता व उनके परिवार को हुई परेशानी को तो समझा, लेकिन यह स्पष्ट किया कि बच्ची का कल्याण गोद लेने से जुड़े कानूनी ढांचे के भीतर ही तय किया जाना चाहिए, न कि केवल संभावित माता-पिता की उम्मीदों या उनके भावनात्मक लगाव के आधार पर। याचिकाकर्ता व उनकी पत्नी ने दिसंबर 2020 में भावी दत्तक माता-पिता के रूप में पंजीकरण कराया था। उस समय उनके एक जैविक बच्चा था। मार्च 2022 में उनके दूसरे बेटे का जन्म हुआ। सितंबर 2025 में उनकी होम स्टडी रिपोर्ट का दोबारा सत्यापन किया गया, जिसमें उनके दो जैविक बेटों का उल्लेख था। इसके बावजूद सीएआरए ने जनवरी 2026 में उन्हें नवंबर 2025 में जन्मी एक परित्यक्त बच्ची को गोद लेने के लिए सिफारिश कर दी। याचिकाकर्ता ने इस सिफारिश को स्वीकार किया और बाद में बच्ची से मिलने की गयी। हालांकि मार्च में दत्तक ग्रहण पोर्टल पर उनकी आवेदन स्थिति आवेदन अस्वीकृत वापस लिया गया दिखाई देने लगी, जबकि याचिकाकर्ता ने अपना आवेदन वापस नहीं लिया। इसके बाद सीएआरए ने उन्हें बताया कि वे सामान्य श्रेणी के बच्चे को गोद लेने के लिए पात्र नहीं हैं।

गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, पिंकी चौधरी से जुड़े जमीन विवाद में गई जान

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में साहिबाबाद थाना क्षेत्र में कथित तौर पर जमीन विवाद को लेकर हिंदू रक्षा दल के एक कार्यकर्ता की शुक्रवार दोपहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर रिवॉल्वर बरामद की है। आरोपी को भी गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। जीटी रोड पर एमएमएक्स मॉल के सामने साहिबाबाद थाने के पास एक पुराने बैंकेट हॉल में प्लॉटिंग की गई थी। पुलिस के मुताबिक, पास में ही रहने वाली नोमिता शर्मा का यहां बड़ा प्लॉट है, जिसका एक हिस्सा करीब ढाई साल पहले हिंदू रक्षा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने खरीदा था। उन्होंने अपनी पत्नी पूनम के नाम बेनामा कराया था। पिंकी चौधरी के प्लॉट की देखरेख के लिए दिल्ली के गोकुलपुरी की संजय कॉलोनी निवासी 23 वर्षीय आयुष रहता था। आयुष हिंदू रक्षा दल का कार्यकर्ता भी था। लंबे समय से दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद है। पुलिस का कहना है कि पिंकी चौधरी अपने प्लॉट की दीवार जहां बना रहे हैं, उसे नोमिता शर्मा अपना बता रही हैं। इसी तरह दोनों पक्ष एक-दूसरे पर ग्रीन बेल्ट में निर्माण का भी आरोप लगा रहे हैं। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। शुक्रवार दोपहर 3 बजे पिंकी चौधरी का बेटा

सूर्या अपने कुछ साथियों संग प्लॉट पर काम करा रहा था। इसी दौरान नोमिता का जानकार शालीमार गार्डन एक्सटेशन – 1 निवासी राहुल साहनी यहां नोमिता के प्लॉट की पैमाइश करने पहुंचा। दोनों पक्षों में विवाद हुआ और मारपीट होने लगी। सूर्या का आरोप है कि राहुल साहनी, नोमिता शर्मा, नरेश अरोड़ा, राहुल शर्मा ने आकर काम रुकवाने का प्रयास किया। विरोध पर मारपीट करने लगे। आरोप है कि राहुल ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। एक गोली आयुष के सीने में जा लगी। सूर्या व उसके साथियों ने राहुल को पकड़ा और रिवॉल्वर लेकर धुनाई कर दी। पुलिस आयुष को पास के अस्पताल ले गई, जहां

दिल्ली में 7 जगह लगेगी लोक अदालत, 25 अक्टूबर को ट्रैफिक चालान माफ करवाने का मौका

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ऐलान किया है कि अगली नेशनल लोक अदालत 25 अक्टूबर को लगने जा रही है। यानी अगर आपको कोई ट्रैफिक चालान लंबे समय से पेंडिंग है तो आपके लिए अच्छा मौका है। दिल्ली में लगने वाली नेशनल लोक अदालत में आप अपने चालान का निपटारा कर सकते हैं। 'नेशनल लोक अदालत' इससे पहले 12 सितंबर मगर 11 से 13 सितंबर के बीच ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के वजह से इसकी डेट आगे बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गई थी जिसे एकाबर फिर आगे बढ़ाकर 25 अक्टूबर किया गया है। दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के ताजा नोटिस के मुताबिक लोक अदालत की नई डेट 25 अक्टूबर तय की गई है। नोटिस में बताया गया है कि लोक अदालत में 30 जून 2026 तक के पेंडिंग कंपाउंडेबल यानी समझौते योग्य चालानों पर सुनवाई की जाएगी। यानी जून के बाद (जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर) में कांटे गए चालान सुनवाई में शामिल नहीं किए जाएंगे। वाहन मालिक 19 अक्टूबर सुबह 10 बजे से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस लोक अदालत पोर्टल से अपने चालान की रसप (टोकन) को डाउनलोड कर सकते हैं। ध्यान रहे कि टोकन की सीमा तय है और 10 बजे से ही अप्लाई करें। लोक अदालत में आपके चालान के निपटान की सुनवाई इस टोकन के बिना नहीं होगी। इसके साथ ही टोकन का प्रिंट आउट अपने पास रखें क्योंकि इसी पर आवंटित कोर्ट नंबर और मजिस्ट्रेट की डिटेल होगी। इसके अलावा अपने साथ जरूरी दस्तावेज रखें जैसे जिनमें कीलक रिजल्टेशन सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस और पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, ट्रैफिक चालान, आधार कार्ड आदि शामिल हैं। प्रतिदिन 50,000 चालान की सीमा तय की गई है। दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के नोटिस में बताया गया है।



एक नज़र

शिवा मर्डर केस 25 हजार की इनामी मॉडल श्रद्धा दुबे के खिलाफ एनबीडब्ल्यू , नेपाल में पुलिस ने बिछाया जाल

लखनऊ। कारोबारी शिवा शर्मा की हत्यारोपी मॉडल 25 हजार की इनामी श्रद्धा उसकी बहन समेत तीन आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने शुक्रवार को एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) जारी किया है। हजरतगंज पुलिस ने सुबह तीनों के खिलाफ कोर्ट में अर्जी डाली थी। पुलिस 10 टीमें फरार आरोपियों के खिलाफ नेपाल और बाईर से सटे जनपदों में छापेमारी कर रही है। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने बताया कि इस मामले में हजरतगंज कोतवाली में शिका की मां ने श्रद्धा उसकी बहन रश्मि उसके ड्राइवर व कुछ अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना में ड्राइवर दानिश का नाम प्रकाश में आया था। शिवा की मौत के बाद से तीनों फरार चल रहे हैं। सर्विलांस और डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर की काइम टीम समेत कई टीमें लगातार तीनों की गिरफ्तारी के लिए दबिशा दे रही हैं। मंगलवार को श्रद्धा, रश्मि और दानिश के खिलाफ 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस की तपतीश में तीनों की लोकेशन रुपईडीहा और नेपाल मिली। इसके बाद टीमें नेपाल और उसके बाईर एरिया में दबिशा दे रही हैं। हजरतगंज पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कराने के लिए कोर्ट में अर्जी डाली थी। देर शाम कोर्ट ने सुनवाई के बाद तीनों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया। श्रद्धा दुबे का नाम अब शिवा हत्याकांड के सिलसिले में चर्चा में है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस मामले में फरार श्रद्धा पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। इसी बीच उसके नाम पर रजिस्टर्ड खोडा कार का सहारनपुर साइबर टगी के पुराने मामले से जुड़ाव सामने आया है। कार का पंजीकरण श्रद्धा के नाम पर होना और उसे कथित तौर पर आयुष्मान टगी की रकम से खरीदा जाना इस प्रकरण की अहम कड़ी है। कारोबारी शिवा शर्मा हत्यारोपी श्रद्धा दुबे उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश की तलाश में पुलिस ने नेपाल के कई शहरों में जाल बिछा दिया है। लोकेशन के पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस की टीमें ने दबिशा दी तो मामला श्रद्धा ने अपनी लोकेशन बदल दी। सूत्रों के मुताबिक, लोकेशन ट्रेस होने की भनक लगते ही श्रद्धा ने दो बार ठिकाना बदला है। श्रद्धा को बचाने में लगे मददगार उसे पुलिस के मूवमेंट की जानकारी दे रहे हैं। फिलहाल बांके जिले से ठिकाना बदलकर सुर्खेत में एक होटल कारोबारी के यहां श्रद्धा के शरण लेने की सूचना है। पुलिस सूत्रों को उम्मीद है कि उसे 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जा सकता है। दरअसल, श्रद्धा का पूर्व में भी नेपाल आना-जाना रहा है। इस लिए उसकी नेपालगंज समेत कई शहरों के कारोबारियों से अच्छी पैठ है। मॉडलिंग और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के सिलसिले में उसका आना-जाना रहा है। बताया जा रहा है कि नेपाल में उसके कई व्यावसायिक मित्र भी हैं, जिनकी मदद से वह ठिकाने बदल रही है। पहले ट्रेस हुई लोकेशन एक होटल कारोबारी के आवास की बताई जा रही थी। हालांकि, उसके मौजूदा ठिकाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बहू को बचाने आई ताई, भतीजों ने कुल्हाड़ी से काट अला, मौत होने तक हमला करता रहा आरोपी

सीतापुर। सीतापुर जिले में बहू को बचाने पहुंची बुजुर्ग महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि भतीजे ने गुस्से में अपनी ताई पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी। आरोपी ने ताई पर तब तक ताबड़तोड़ हमले किए जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। दिन दहाड़े महिला को काटे जाने की खबर से गांव में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद खून से लथपथ शव देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर जुटे ग्रामीणों ने भाग रहे आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने मृतका के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस के मुताबिक, घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली गई। सुजौलिया गांव निवासी भोला के मुताबिक, गुरुवार सुबह वह खेत पर गया था। इस दौरान उसकी मां रामदेवी (60) पड़ोस में रहने वाले अपने चचेरे भाई दीपू के घर चली गई। घर पर रामदेवी और दीपू की पत्नी सरोजनी थीं। आरोप है कि इसी बीच प्रदीप उर्फ शंभु कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए सरोजनी पर हमला करने दौड़ा। रामदेवी ने बीच-बचाव कर किसी तरह सरोजनी को बचाया। इससे गुस्साए प्रदीप ने रामदेवी पर कुल्हाड़ी से कई वार कर दिए। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर गिर पड़ीं। सरोजनी चीखती हुई वहां से भागी, जबकि आरोपी रामदेवी पर तब तक वार करता रहा, जब तक उनकी मौत नहीं हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को जुटता देख आरोपी भागने लगा, लेकिन लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। मां की हत्या की सूचना पर भोला खेत से घर पहुंचा तो मां का खून से लथपथ शव देखकर बहदवास हो गया। सूचना पर सीओ सिधौली वेद प्रकाश श्रीवास्तव और कमलापुर थाना प्रभारी इतुल चौधरी मौके पर पहुंचे।

नई दिल्ली

अब रविता कैदी नंबर-399, अमरदीप कैदी नंबर- 400; मेरठ सांप कांड में सजा के बाद नई पहचान मिली

लखनऊ। यूपी में शीतलहर और घने कोहरे के दौरान हादसों पर अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार ने सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि हादसा होने की स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता और समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। राहत आयुक्त डॉ. ह्रृषिकेश भास्कर यशोद ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समग्रवृद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त ने बताया, सड़क सुरक्षा के लिए हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लगे रिफ्लेक्टिव चिह्नों, कैटस और दिशासूचक बोर्ड और अन्य संकेतकों की नियमित जांच करने के लिए कहा गया है। राहत आयुक्त ने सड़क की बॉर्डर लाइन और मध्य रेखा पर बनी सफेद पट्टियों को स्पष्ट रखने के निर्देश दिए हैं। धूल से ढकी, मिट चुकी या उखड़ी पट्टियों का तत्काल नवीनीकरण कराया जाएगा, ताकि कम दृश्यता के दौरान वाहन चालकों को सड़क की सीमा और दिशा समझने में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि प्रमुख चौराहों, तिराहों, क्रॉसिंग, मोड़ों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रॉसिंग व यातायात संकेतकों को दुरुस्त रखा जाएगा। जरूरत के अनुसार चेतावनी संकेतक और गति सीमा से जुड़े बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इन व्यवस्थाओं से कोहरे के

मेरठ। सांप कांड में रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई। जिसके बाद देर शाम कोर्ट से आदेश जिला कारागार पहुंच गया। इसके बाद जेल प्रशासन ने बाकी प्रक्रिया शुरू कराई। रात को ही रविता को कैदी नंबर 399 दिया गया और अमरदीप को कैदी नंबर 400 घोषित किया गया। रविता को बैरक नंबर 12-ए में रखा गया है, जबकि अमरदीप बैरक नंबर 1-ए में रहेगा। दोनों को जेल प्रशासन ने निगरानी भी बढ़ा दी है। फिलहाल रविता और अमरदीप ने जेल प्रशासन से परिजनों से मिलने की इच्छा जताई है। रविता ने बच्चों और अपने पिता से मिलने की बात कही है। वहीं, अमरदीप ने भी परिजनों से संपर्क करने के लिए कहा है। वहीं, दूसरी ओर पति-पत्नी के रिश्तों में अवैध संबंधों के चलते हत्या करने वाले

प्रकरण के आरोपियों में खौफ का माहौल बना हुआ है। कोर्ट ने कहा कि यह समाज को झकझोर देने वाला कृत्य है। हिन्दू धर्मशास्त्रों में पत्नी को अधांगिनी कहा गया है, जिसका अर्थ है पति के शरीर का आधा अंग। पत्नी को धर्मपत्नी इसलिए कहा जाता है कि वह पति के धर्म, कर्म, सुख-दु:ख की सहभागी होती है। हमारे वेदों, पुराणों में कहा गया है- ‘यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।’ परन्तु इस कलयुगी प्रकरण में अभियुक्ता रविता ने सावित्री के आदर्शों को तार-तार कर दिया। जिस पति को परमेश्वर मानकर पत्नी द्वारा उसकी लंबी उम्र के लिए व्रत रखे जाते हैं, करवाचौथ की पूजा की जाती है उसी पति का गला घोटकर पत्नी ने अपने हाथों से सुहाग को उजाड़ दिया। जिस पति ने उस पर विश्वास करके उसे अपने घर की लक्ष्मी बनाया,

दौरान वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और संभावित खतरों के बारे में समय रहते जानकारी मिल सकेगी। राहत आयुक्त ने निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं चलने वाले अनपिट वाहनों और जुगाड़ से निर्मित असुरक्षित वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस आपसी समन्वय

से जांच और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, ताकि असुरक्षित वाहनों से होने वाले संभावित हादसों को रोका जा सके। सड़क हादसों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। वाहन चालकों को फॉग लाइट और रिफ्लेक्टिव टेप का इस्तेमाल करने, आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखने और गति नियंत्रित

समाजवादी शिक्षा के घोषित दुश्मन, ऐसी-तैसी कर दी; सीएम योगी का सपा पर बड़ा हमला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा और युवाओं के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। लखनऊ में शिक्षक-स्नातक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने समाजवादियों को शिक्षा का घोषित दुश्मन बताया। योगी ने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में युवाओं के सामने पहचान का संकेत खड़ा किया गया और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने सपा और शिक्षा के रिश्ते की तुलना नदी के दो ऐसे छोरों से की, जो कभी नहीं मिल सकते। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अगर समाजवादी शिक्षा के लिए कुछ करने की बात करते हैं तो यह ऐसा है, जैसे कोई मगरमच्छ नदी किनारे आकर कहे कि मेरी पीठ पर सवार हो जाओ, मैं सुरक्षित उस पार पहुंचा दूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी युवाओं के सामने पहचान का संकेत खड़ा करने और शिक्षा की ऐसी-तैसी करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ‘सैफई सिंडिकेट’ नौकरी में सेंध लगाता था। उनके मुताबिक, 2017 से पहले प्रदेश में उत्सव के बजाय उपद्रव का माहौल था। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि में आयोजन हो रहे हैं और रामलीलाएं चल रही हैं। योगी ने दावा किया कि प्रदेश में अब उपद्रव नहीं, उत्सव का माहौल है और बेटीयां सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करता है तो पुलिस अगले चौराहे पर उसका इलाज कर देती है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनने से निवेश बढ़ा और इसके साथ रोजगार के अवसर भी पैदा हुए। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने साढ़े नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है, जबकि निजी क्षेत्र में निवेश के जरिए 65 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश के युवा जिन राज्यों में काम करने जाते थे, वहां अब वीरानी छाई हुई है।

मेरठ सांप कांड में 12 नंबर का गजब संयोग, मर्डर से लेकर सजा तक अजब कनेक्शन

मेरठ। चर्चित सांप कांड यानी अमित कश्यप हत्याकांड में 12 नंबर का गजब संयोग सामने आया है। अमित की हत्या 12 अप्रैल 2025 की रात को की गई थी। इस हत्याकांड में सजा भी एडीजे-12 ने 12 मिनट में सुनाई है। वहीं, अभियोजन और वादी पक्ष की ओर से इस केस में कोर्ट के सामने 12 गवाह पेश किए गए हैं। मेरठ के सांप कांड से 12 का आंकड़ा जुड़ गया है। इस पूरे केस में 12 नंबर काफी खास रहा। रविता और अमरदीप ने मिलकर 12 अप्रैल 2025 की रात घर के अंदर ही अमित की हत्या कर दी थी। कोर्ट में मुकदमा पहुंचा तो पहले किसी अन्य कोर्ट में सुनवाई हो रही थी, लेकिन बाद में यह मामला एडीजे-12 जयवीर सिंह नामर की कोर्ट में पहुंच गया। इस पूरे मामले में अभियोजन और वादी पक्ष ने कोर्ट में वादी समेत 12 गवाह पेश कराए



थे, जिन्हें मान्य किया गया। इतना ही नहीं, शुक्रवार को कोर्ट ने इस मामले में दोषधर को फैसला सुनाया जो करीब 12 मिनट में पढ़कर सुनाया गया। घटना के 552 दिन बाद इस केस में फैसला आया है, जिसका योग भी 12 आ रहा है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फरजाना मकसूद ने दावा किया कि देशभर में यह पहला मामला है, जब किसी महिला एडीजीसी ने 2 दोषियों को एकसाथ फांसी की सजा

कराई है। बताया कि एक साथ दो लोगों को फांसी का यह पहला मामला है। इस प्रकरण में जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी केके चौबे और एडीजीसी फरजाना मकसूद ने अभियोजन की ओर से केस की कमान कोर्ट में संभाली थी। वहीं, जिला शासकीय अधिवक्ता केके चौबे ने बताया कि यह न्याय की बड़ी जीत है। सांप कांड यानी अमित कश्यप हत्याकांड में अभियोजन ने कोर्ट में बहस के दौरान कहा कि यह अपराध जघन्य, घृणित और अमानुषिक है। कहा कि पत्नी शादी के समय सात जन्मों के लिए साथ रहने का वादा करती है और इसके बाद धोखे से पति की हत्या करने का काम करती है तो इससे घृणित और कुछ नहीं हो सकता। यह घटना किया कि देशभर में यह पहला मामला है, जब किसी महिला एडीजीसी ने 2 दोषियों को एकसाथ फांसी की सजा

रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही, सड़क पर लगे चेतावनी संकेतकों और निर्धारित गति सीमा का पालन करने पर जोर दिया जाएगा। राहत आयुक्त ने आगामी दिनों में घने कोहरे के दौरान दृश्यता के अनुरूप वाहनों की गति नियंत्रित रखने और आवश्यक यातायात प्रबंधन उपाय अपनाने पर जोर दिया है। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अत्यधिक कोहरे में विशेष सावधानी बरतें और परिस्थितियों के अनुकूल ही वाहन चलाएं। कम दृश्यता में तेज गति और आगे चल रहे वाहन से कम दूरी दुर्घटना का जोखिम बढ़ा सकती है। राहत आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी इंतजामों की नियमित जांच करने और कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए हैं।

समाजवादी शिक्षा के घोषित दुश्मन, ऐसी-तैसी कर दी; सीएम योगी का सपा पर बड़ा हमला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा और युवाओं के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। लखनऊ में शिक्षक-स्नातक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने समाजवादियों को शिक्षा का घोषित दुश्मन बताया। योगी ने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में युवाओं के सामने पहचान का संकेत खड़ा किया गया और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने सपा और शिक्षा के रिश्ते की तुलना नदी के दो ऐसे छोरों से की, जो कभी नहीं मिल सकते। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अगर समाजवादी शिक्षा के लिए कुछ करने की बात करते हैं तो यह ऐसा है, जैसे कोई मगरमच्छ नदी किनारे आकर कहे कि मेरी पीठ पर सवार हो जाओ, मैं सुरक्षित उस पार पहुंचा दूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी युवाओं के सामने पहचान का संकेत खड़ा करने और शिक्षा की ऐसी-तैसी करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ‘सैफई सिंडिकेट’ नौकरी में सेंध लगाता था। उनके मुताबिक, 2017 से पहले प्रदेश में उत्सव के बजाय उपद्रव का माहौल था। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि में आयोजन हो रहे हैं और रामलीलाएं चल रही हैं। योगी ने दावा किया कि प्रदेश में अब उपद्रव नहीं, उत्सव का माहौल है और बेटीयां सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करता है तो पुलिस अगले चौराहे पर उसका इलाज कर देती है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनने से निवेश बढ़ा और इसके साथ रोजगार के अवसर भी पैदा हुए। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने साढ़े नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है, जबकि निजी क्षेत्र में निवेश के जरिए 65 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश के युवा जिन राज्यों में काम करने जाते थे, वहां अब वीरानी छाई हुई है।

मां से दूर रहकर समझदारी भरी पसंद नहीं कर सकता छह साल का बच्चा, हाईकोर्ट ने रद्द किया फैमिली कोर्ट का फैसला

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि कम उम्र का ऐसा बच्चा जिसे लंबे समय तक उसकी मां से दूर रखा गया हो, उसकी पसंद को अभिरक्षा तय करने का निर्णायक आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि छह साल का बच्चा अपने भावनात्मक और शारीरिक हितों को समझते हुए स्वतंत्र रूप से उचित निर्णय लेने में सक्षम नहीं होता। केवल इसलिए कि दादी ने बच्चे की देखभाल की है, उन्हें मां से बेहतर अभिरक्षा का अधिकार नहीं मिल जाता। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने आगरा की फैमिली कोर्ट का फैसला रद्द करते

हुए बच्चे की अभिरक्षा तत्काल उसकी मां को सौंपते हुए दिया है। साथ ही दादी को बच्चे से मिलने का अधिकार भी दिया है। मामले के तथ्यों के अनुसार महिला के पति की वर्ष 2020 में मृत्यु हो गई। उस समय उनका बेटा महज आठ महीने का था।

महिला का आरोप था कि बीमा दावा दिलाने के बहाने उससे एक साढ़े कागज पर हस्ताक्षर कराए गए और बाद में उसका इस्तेमाल एक फर्जी समझौता तैयार करने में किया गया। इस समझौते से बच्चे को उसकी दादी के पास रखने की बात कही गई। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद उसे अपने बेटे से मिलने तक नहीं दिया गया।

सोमवार 19 अक्टूबर 2026

की परिस्थितियों एवं प्रकृति ने भारतीय समाज में वैवाहिक जीवन की नींव को हिला दिया। भारतीय समाज में पति-पत्नी का रिश्ता केवल एक दाम्पत्य बंधन नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, समर्पण और सात जन्मों के अटूट पवित्र संस्कार पर आधारित माना जाता है। हिन्दू शास्त्रों में धर्मपत्नी को अधांगिनी की संज्ञा दी गई है। पति-पत्नी एक-दूसरे के जीवन के रक्षक माने जाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की हत्या का मामला नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा पर किया गया गहरा प्रहार है। रविता ने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर अपने ही पति का गला घोट दिया और पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते की बलि चढ़ा दी। जिस पत्नी के हाथों पति ने रक्षा की उम्मीदी की थी उसी के हाथों पति की सांसें छीन ली गईं।

अखिलेश को गाली देने वाली महिला कौन सपा नेता की एफआईआर के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर गाली-गलौज करने वाली महिला के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सपा नेता की शिकायत पर कोड़िया पुलिस ने महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की। एफआईआर दर्ज होने के बाद अखिलेश यादव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने बौनापुर निवासी महिला को गिरफ्तार किया है। सपा के कटरा बाजार विधानसभा अध्यक्ष वकार खां ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि बौनापुर निवासी पल्लवी शुक्ला ने फेसबुक पर अखिलेश के खिलाफ आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर पोस्ट किया। शिकायत में राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपशब्द कहने और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। वकार खां ने आरोप लगाया कि इस पोस्ट से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव को गाली देने वाली महिला का नाम पल्लवी शुक्ला है। वह यूट्यूब एवं फेसबुक ब्लॉकर है। पल्लवी के फेसबुक पर हजारों की संख्या में फैंस हैं। पल्लवी इससे पहले नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के लिए अभद्र टिप्पणी कर चुकी है। थानाध्यक्ष कोड़िया शशि राणा ने बताया कि सपा नेता वकार खां की शिकायत पर यूट्यूब पल्लवी शुक्ला के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में

प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिला को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पल्लवी शुक्ला नाम की इस महिला ने अपना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला। वीडियो में पल्लवी ने अखिलेश यादव और सांसद चंद्रशेखर को लेकर गाली-गलौज किया। पल्लवी ने कहा, एआई के जरिए अखिलेश के साथ हमारी जिसने भी फोटो बनाई है, उसे डिलीट कर दें। इसके बाद पल्लवी अखिलेश यादव को गाली देते हुए कहती हैं कि वह यादव को संपर्त नहीं करती हैं। जाति की ब्राहमण हूं। मेरे पापा कुट्टर हिंदू हैं। अखिलेश यादव की सरकार में लड़कियों का रेप होता था।

पल्लवी यहीं पर नहीं रुकी, उसने कहा-उनकी सरकार में लड़कियां सुरक्षित नहीं थीं। साइकिल का कोई भरोसा नहीं, कहां रास्ता चलते हुए पंकर हो जाए। वहीं दूसरी ओर जैनपुर में सोशल मीडिया पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक सहित जिले के विभिन्न थानों में तहरीर देकर आरोपी मुकेश सिंह राजपूत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। जिला उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने खुटहन थाने के प्रभारी विक्रम लक्ष्मण सिंह को तहरीर सौंपी।

मां से लंबे समय तक दूर रखे जाने के कारण बच्चे को प्रभावित किया गया हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि छह साल की कम उम्र के बच्चे को उसकी मां से मिलने के अवसर से वंचित रखा गया। ऐसे में उसके बचाने के आधार पर उसके कल्याण का निर्णय नहीं किया जा सकता। इस उम्र में बच्चा अपने भावनात्मक और शारीरिक हितों के बारे में समझदारी भरी पसंद तय करने में सक्षम नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि मां व बच्चे के बीच प्राकृतिक संबंध का विशेष महत्व है। बच्चे को उसकी मां से अलग रखना, विशेष रूप से इतनी कम उम्र में उसे अपने माता-पिता को जानने के स्वाभाविक अधिकार से वंचित करने जैसा है।

आगरा में बेकाबू लोडर ने 4 सहेलियों को रौंदा; एमकॉम छात्रा की मौत, चालक बोला-झड़विंग सीख रहा था

लखनऊ। शहर के थाना ट्रांस यमुना के कालिंदी बिहार में शुक्रवार रात चार युवतियों को तेज रफ्तार लौडिंग वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में सभी युवतियां घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान एक युवती की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शुक्रवार रात करीब सवा नौ बजे की है। जानकारी के अनुसार खुशबू (22), भूमि (18) और शिखा निवासी कृष्णा रेजिडेंसी कॉलोनी और गीत गोविंद कॉलोनी निवासी निशा चौधरी खाना खाने के बाद साथ में सड़क पर टहल रही थीं। तभी एच ब्लॉक कैला देवी मंदिर के सामने तेज रफ्तार से आ रहे लोडिंग वाहन ने चारों को चोपेट में ले लिया। मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने चालक को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई कर दी। आनन फानन में घायल युवतियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान खुशबू, जुरेल पुत्री मनमोहन सिंह की मौत हो गई। वो एमकॉम की छात्रा थी। प्रभारी निरीक्षक ट्रांस यमुना हरेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन चालक गौड़ा चालाना सीख रहा था। तभी हादसा हो गया। वाहन को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि लोडिंग वाहन की झड़विंग सीखना एक छात्रा की जान ले गया। तीन अन्य सहेलियां बुरी तरह घायल हो गईं। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कैमरे में दिख रहा है कि चारों सहेलियां सड़क पर आराम से टहल रही थीं। इसी दौरान पीछे से आ रहा एक लोडिंग वाहन अचानक उनकी तरफ मुड़ा और सहेलियों पर जा चढ़ा। झड़विंग सीख रहे व्यक्ति का वाहन से नियंत्रण छूट गया था।



सोशल मीडिया

इमरान खान की कमबैक फिल्म पर बुरा असर



भारतीय नागरिकता न होने के बावजूद प्रोटेस्ट में शामिल होने पर मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड एक्टर इमरान खान को 'लीव इंडिया' नोटिस जारी किया है। उन्हें 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने को कहा गया है। इमरान खान, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के भांजे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट है। इस नोटिस के खिलाफ इमरान खान बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे हैं, उनके वकील का कहना है कि वह प्रोटेस्ट का हिस्सा नहीं थे। इस विवाद के बीच अब एक्टर की अपकमिंग फिल्म अंधेरे हम अंधेरे तुम मुश्किलों में फंसीती नजर आ रही है।

मिड-डे की रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र के अनुसार बताया गया है कि इमरान खान की कमबैक फिल्म अकेले हम अकेले तुम को दिसंबर में नेटफ्लिक्स में रिलीज किया जाने वाला था। इमरान खान दीवाली के बाद इस फिल्म का प्रमोशन शुरू करने वाले थे, लेकिन अब स्थिति साफ नहीं है कि इमरान भारत में रहेंगे या नहीं। अब तक फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट सामने नहीं आई है, ऐसे में फिल्म पोस्टपोन करना ही सबसे बेहतर विकल्प होगा। आगे बताया गया है कि टीम स्थिति साफ होने तक प्रमोशनल कैंपेन शुरू नहीं करना चाहती है।

11 साल बाद कर रहे हैं कमबैक

इमरान खान आखिरी बार साल 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी में कंगना रनोट के साथ नजर आए थे। इस फिल्म के 11 साल बाद अब इमरान



खान फिल्म अंधेरे हम अंधेरे तुम से कमबैक कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ भूमि पेडनेकर लीड रोल में होने वाली हैं।

इमरान खान अब इस नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी लीगल टीम ने ANI को बताया है कि अपील अगले हफ्ते दाखिल होने की उम्मीद है।

भाजपा प्रवक्ता बोले- ऐसे मामलों पर सतर्क रहना जरूरी

आंध्र प्रदेश BJP प्रवक्ता शेख बाजी ने इमरान खान को जारी नोटिस पर कहा, “इमरान खान आमिर खान के भांजे हैं। उन्होंने कुछ फिल्मों में काम किया है। लेकिन यहां उनकी भागीदारी ऐसे एजेंडे से जुड़ी है, जो देश के हितों के खिलाफ है। हमें सतर्क रहना चाहिए और ऐसे घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। इससे देश और हमारे परिवारों की सुरक्षा की जा सकेगी।”

नई दिल्ली

दावा: मुंबई में अजय देवगन के बंगले का हिस्सा तोड़ा

मुंबई नगर निगम (BMC) ने एक्टर अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम ने बंगले में किए गए निर्माण को तोड़ा है। आरोप है कि काम रोकने का नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण जारी था। बातचीत में अजय देवगन के पीआर पराग देसाई ने इन खबरों का खंडन किया है। उनका कहना है कि अजय देवगन के बंगले में BMC

की टीम नहीं आई। ये खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। जिस प्रॉपर्टी को लेकर खबरें आ रही हैं, वह अजय की है और उनके घर से थोड़ी ही दूर है। अजय ने उसे किराए पर दिया हुआ है। संभव है कि बीएमसी को उस प्रॉपर्टी में कुछ अनियमितताएं मिली हों, जिसके चलते कार्रवाई हुई हो। पराग देसाई का कहना है कि आज दोपहर तक इस मामले पर आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा।

अजय देवगन का एक बंगला मुंबई के जुहू इलाके की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ((जेवीएनपी स्कीम, एन एस रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में 7,802 वर्ग फीट पर बना है। आरोप है कि बंगले में अंदरूनी बदलाव, पाटीशन की दीवारें, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्य जरूरी अनुमति के बिना किए जा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, BMC ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई

नगर निगम अधिनियम की धारा 354A के तहत नोटिस जारी किया था। इसमें निर्माण कार्य तुरंत रोकने और संबंधित दस्तावेजों के साथ जरूरी अनुमतियां जमा करने का निर्देश दिया गया था। नगर निगम के मुताबिक नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं रुका। इसके बाद BMC ने बंगले में किए गए कुछ कथित अनधिकृत निर्माण को हटाने की कार्रवाई की।



शादी से खुश नहीं थे सैफ अली खान

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और करीना कपूर खान की शादी को 14 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर सैफ की निजी जिंदगी और उनके पुराने रिश्तों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। सैफ ने अपने पुराने रिश्तों के अनुभवों पर बात करते हुए स्वीकार किया था कि वह पहले हमेशा रिश्तों में खुश और संतुष्ट नहीं रहे। वहीं, करीना के साथ अपने मौजूदा रिश्ते को उन्होंने प्यार, अपनापन और आपसी समझ का नतीजा बताया है।

सैफ अली खान ने अपनी पहली पत्नी अमृता सिंह से वर्ष 1991 में शादी की थी। दोनों के बीच उम्र का काफी अंतर था। इस शादी से उनके दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हैं। हालांकि, बाद में दोनों के रिश्ते में दूरियां आ गई और वर्ष 2004 में उनका तलाक हो गया। सैफ की पहली शादी से जुड़े पुराने अनुभवों को लेकर समय-समय पर चर्चा होती रही है।

करीना के साथ रिश्ते को बताया खास: सैफ ने अपनी बहन सोहा अली खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान कहा था कि वह आज एक स्थिर और खुशहाल रिश्ते में हैं। उन्होंने माना कि पहले

उनके रिश्ते हमेशा इतने स्थिर और सुखद नहीं रहे, लेकिन अब परिस्थितियां अलग हैं। उनके मुताबिक, समय के साथ आई परिपक्वता और करीना की दयालुता व समझदारी ने उनके रिश्ते को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। सैफ ने यह भी बताया कि किसी भी रिश्ते में केवल साथ रहना पर्याप्त नहीं है। उसमें प्यार, भावनात्मक जुड़ाव, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और अपनेपन का होना जरूरी है। उनका मानना है कि पति-पत्नी के बीच एक-दूसरे को समझने और भावनाओं को महत्व देने की क्षमता रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखती है।

बच्चों के बाद भी जरूरी है आपसी समझ: सैफ के अनुसार, बच्चों के आने के बाद पति-पत्नी के रिश्ते में कई बदलाव आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी हो जाता है। उन्होंने अपने और करीना के रिश्ते का उदाहरण देते हुए बताया कि दोनों को एक-दूसरे को व्यक्तिगत स्पेस देने के साथ ही ऐसी चीजें भी साझा करनी चाहिए, जो उन्हें करीब लाती हैं। प्यार, बातचीत और आपसी विश्वास किसी भी रिश्ते की मजबूती के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मां तनुजा, बहन तनिषा और बच्चों के साथ दिखीं, जया-श्वेता बच्चन भी आईं नजर

रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर संगीतकार देवा का निधन

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज संगीतकार देवा का शनिवार, 17 अक्टूबर को चेन्नई में निधन हो गया। वे 75 साल के थे। देवा ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर इंट्रो म्यूजिक को अपनी धुनों से खास पहचान दी थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा की 400 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया। उनके निधन से दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

● **उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझ रहे थे:** संगीतकार देवा को शनिवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद चेन्नई के सूर्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उपचार के बावजूद 75 वर्षीय देवा को नहीं बचाया जा सका। वे उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझ रहे थे।

● **रजनीकांत की फिल्मों के इंट्रो म्यूजिक से मिली खास पहचान:** देवा का पूरा नाम देवनासन चोक्कालिंगम था। उन्हें तमिल फिल्म इंडस्ट्री में ‘थेनिसाई थेंद्रल’ के नाम से जाना जाता था। इस उपाधि का अर्थ है ‘मधुर



संगीत की बयार’। रजनीकांत की फिल्मों में सुपरस्टार के नाम के साथ बजने वाली मशहूर धुन को तैयार करने का श्रेय भी देवा को जाता है। साल 1992 में आई फिल्म ‘अन्नामलाई’ के संगीत ने रजनीकांत की स्क्रीन इमेज को एक नई पहचान दी। इसके बाद फिल्म ‘बाशा’ में भी देवा के संगीत ने उनके स्टारडम को और मजबूत किया। रजनीकांत की फिल्मों में इस्तेमाल होने वाली यह धुन दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुई। देवा ने रजनीकांत के साथ ‘अरुणाचलम’ जैसी फिल्मों में भी काम किया। उनकी धुनों में जोश, दमदार बीट्स और लोक संगीत का ऐसा मेल था, जो रजनीकांत के पर्दे पर आने के अंदाज के साथ खूब जंचता था।

● **1996 में 36 फिल्मों में दिया संगीत:** देवा का करियर करीब चार दशक लंबा रहा। इस दौरान उन्होंने 400 से ज्यादा फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया। साल 1996 उनके करियर के सबसे व्यस्त वर्षों में से एक था। इस साल उन्होंने अकेले 36 फिल्मों में संगीत दिया। तमिल सिनेमा के अलावा उन्होंने तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी काम किया। उनकी खासियत यह थी कि वे लोक संगीत की धुनों को लोकप्रिय फिल्मों संगीत में ढालने में माहिर थे। उन्होंने चेन्नई की गलियों में लोकप्रिय गाना संगीत की शैली ‘गाना’ को मुख्यधारा के तमिल सिनेमा में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

काव्या मारन की शादी नवंबर में

इंडियन प्रीमियर लीग की टीम सनराइजर्स हैदराबाद टीम की मालकिन काव्या मारन जल्द ही सिंगर और कोल्लावेरी डी गाने के कंपोजर अनिरुद्ध रविचंद्र से शादी करने वाली हैं। काव्या के पिता और सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन और पत्नी श्रीमती कावेरी मारन ने हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें रिसेशन का न्योता दिया है। काव्या और अनिरुद्ध का रिसेशन 21 नवंबर को चेन्नई में होगा। हालांकि शादी की डेट और अन्य सेरेमनी की डीटेल अब तक सामने नहीं आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों ग्रीस में डेस्टिनेशन वेडिंग करेंगे। काव्या और अनिरुद्ध की शादी की खबरें जून 2025 से चर्चा में हैं। कोलावेरी डी गाने से पापुलर हुए सिंगर-कंपोजर अनिरुद्ध रविचंद्र रजनीकांत के भतीजे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रजनीकांत ही अनिरुद्ध का रिश्ता लेकर सन ग्रुप के चेयरमैन के घर गए थे।

रजनीकांत लगते हैं अनिरुद्ध रविचंद्र के फूफा

16 अक्टूबर 1990 को चेन्नई में जन्मे अनिरुद्ध साउथ एक्टर रवि राघवेंद्र और क्लासिकल डॉंसर लक्ष्मी के बेटे हैं। एक्टर रवि राघवेंद्र की बहन लता की शादी रजनीकांत से हुई थी। ऐसे में रजनीकांत अनिरुद्ध के फूफा लगते हैं। सौंदर्य रजनीकांत और ऐश्वर्या रजनीकांत, अनिरुद्ध की फुफेरी बहनें लगती हैं। वहीं ऐश्वर्या के पति एक्टर धनुष, उनके जीजा लगते हैं। उनके परदादा के. सुब्रमण्यम 1930 के दशक के मशहूर फिल्म निर्देशक थे। वह पद्म विभूषण से सम्मानित नृत्यांगना डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम के भी ग्रैंड-नेफ्यू हैं।

अनिरुद्ध ने 2011 में चेन्नई के लोयोला कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। आगे उन्होंने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ म्यूजिक से

पियानो सीखा और चेन्नई के साउंडटेक मीडिया ऑडियो इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट से साउंड इंजीनियरिंग में डिप्लोमा भी किया। स्कूल के दिनों में वह एक फ्यूजन बैंड का हिस्सा थे। उनके बैंड ने मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान के जज किए एक रियलिटी शो में हिस्सा लिया था।

कोलावेरी डी गाने से किया डेब्यू, 10 मिनट में तैयार की धुन: अनिरुद्ध रविचंद्र ने साल 2012 में फिल्म 3 से म्यूजिक कंपोजर के तौर पर डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन उनकी कजिन और रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत ने किया था, जबकि धनुष इसमें लीड रोल में थे। लोयोला कॉलेज में पढ़ाई के दौरान अनिरुद्ध ऐश्वर्या की बनाई शॉर्ट फिल्मों के लिए बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार करते थे। उनका काम देखकर ऐश्वर्या ने उन्हें अपनी पहली फिल्म ‘कमर्शियल फिल्म 3 में म्यूजिक देने का मौका दिया। इस फिल्म का गाना ‘व्हाई दिस कोलावेरी डी’ अनिरुद्ध के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। हालांकि इसकी शुरुआत एक बड़े ब्लैंडर से हुई थी। फिल्म कम्पेनियन को दिए एक इंटरव्यू में अनिरुद्ध ने बताया कि म्यूजिक कंपनी इस गाने को CD के जरिए रिलीज करने का प्लान बना रही थी। पर इसी बीच गाने का रफ वर्जन चेन्नई के एक स्टूडियो से ऑनलाइन लोक हो गया था। चूंकि CD बनाकर डिस्ट्रीब्यूट करने में एक हफ्ते का वक्त लगता इसलिए डैमेज कंट्रोल करने के लिए इस गाने को यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया था। अनिरुद्ध ने आगे बताया कि उस वक्त तक यूट्यूब पर कुछ रिलीज करना उतना कॉमन नहीं था जितना आज है। ऐसे में जब यह गाना लोक हो गया तब वे बहुत दुखी थे। अनिरुद्ध ने कहा, ‘बतौर कम्पोजर आप चाहते हैं कि आपकी पहली फिल्म का पहला गाना सीडी के जरिए रिलीज हो। आप इसे अपने दोस्तों को देना चाहते हैं। मैं तब 19 साल का था और इस पूरे इसीडेंट से बहुत अपसेट था।’ अनिरुद्ध ने आगे कहा, ‘खैर, पहले दिन इस गाने को 3 लाख व्यूज मिले और म्यूजिक कंपनी लोगों का रिसॉन्स देखकर बहुत खुश थी। अगले दिन तक गाने को 30 लाख व्यूज मिल चुके थे क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे शेयर कर रहे थे।

होने वाले पति अनिरुद्ध रविचंद्र, जवान-जेलर के म्यूजिक कंपोजर, रजनीकांत के भतीजे हैं

बंगला टूटने की खबरों के बीच दुर्गा पंडाल पहुंचीं



अजय देवगन और काजोल के जुहू स्थित बंगले के एक हिस्से में BMC की कार्रवाई की खबरों के बीच काजोल परिवार के साथ मुंबई के नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचीं। उनके साथ मां तनुजा, बहन तनिषा मुखर्जी, चचेरे भाई अयान मुखर्जी, बेटे युग देवगन और बेटी न्यासा देवगन भी नजर आए। जया बच्चन, श्वेता बच्चन और सुमोना चक्रवर्ती ने भी पंडाल पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए।

● **परिवार के साथ दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचीं काजोल:** काजोल हर साल दुर्गा पूजा के दौरान मुंबई के नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में नजर आती हैं। इस बार भी वह परिवार के साथ मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। मां तनुजा और बहन तनिषा मुखर्जी भी उनके साथ मौजूद रहीं। चचेरे भाई अयान मुखर्जी, बेटे युग और बेटी न्यासा देवगन ने भी पूजा में हिस्सा लिया। पंडाल में काजोल परिवार के साथ नजर आईं। एक ही जगह परिवार के कई सदस्यों की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। काजोल लंबे समय से दुर्गा पूजा उत्सव से जुड़ी रही हैं और इस दौरान परिवार भी अक्सर उनके साथ दिखाई देता है।

● **जया बच्चन, श्वेता बच्चन और सुमोना चक्रवर्ती भी पहुंचीं**

इस बार नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में बच्चन परिवार से जया बच्चन और श्वेता बच्चन पहुंचीं। सुमोना चक्रवर्ती समेत मनोरंजन जगत की कई हस्तियों ने भी मां दुर्गा के दर्शन किए। मुंबई के इस दुर्गा पूजा उत्सव में हर साल फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे शामिल होते हैं। इस बार भी फिल्मी हस्तियों की मौजूदगी से पूजा पंडाल चर्चा में रहा।

पारिवारिक मतभेद पर नाना पाटेकर के बेटे ने दी सफाई

8 अक्टूबर को गोवा में 75 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से नाना पाटेकर का निधन हुआ था। निधन के बाद से ही उनके और उनकी पत्नी के रिश्ते में अनबन के कयास लगाए जा रहे हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि नाना पाटेकर आखिरी दिनों में बेहद अकेले थे। सोशल मीडिया पर चल रही इन खबरों पर अब नाना पाटेकर के बेटे मल्हार भड़क गए। उन्होंने साफ किया है कि ये खबरें बेबुनियाद हैं। इसके अलावा मल्हार ने बताया है कि नाना पाटेकर स्वस्थ थे और परिवार के लोग भी उनके साथ थे। एक इंटरव्यू में मल्हार ने पारिवारिक मतभेद पर कहा, ‘इतना कुछ वायरल हो रहा है, जो बहुत गलत है। सिर्फ इसलिए कि हम इस्टाग्राम पर परिवार की फोटो शेयर नहीं करते, इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे बीच कोई जुड़ाव नहीं है। अलग होने के बाद भी मेरे पेरेंट्स के रिश्ते अच्छे थे। वो 38-39 सालों से साथ थे और चीजें वैसी नहीं होतीं, जैसी बाहर से दिखती हैं।’

आगे मल्हार ने कहा, ‘मैंने जो पढ़ा उसका जवाब ये है कि वो (नाना पाटेकर) अकेले नहीं थे। कभी भी नहीं। और न ही उनकी बीवीयत खराब थी। हममे से हमेशा कोई न कोई उनके साथ रहता था। वो जिम में दंगे घंटे वर्कआउट करते थे। आज के गैंगस्टर भी ऐसा नहीं कर पाते। उनका फिटनेस लेवल अलग था।’



एक नज़र

यशस्वी जायसवाल अनुपलब्ध, शार्दूल ठाकुर बाहर, सूर्याश शेडगे और रघुवंशी की एंटी, रणजी ट्रॉफी दूसरे दौर लिए मुंबई की टीम

नई दिल्ली। मुंबई की टीम को रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर से पहले राहत मिली है। ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे दूसरे दौर के मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में दो दोहरे शतक लगाने वाले अंगकृष रघुवंशी को भी टीम में शामिल किया गया है। मुंबई को शुरुआती मैच में अपने नए उप-कप्तान आयुष महात्र के हैमरिङ्ग में दोबारा चोट लगने और यशस्वी जायसवाल के भारत ए के न्यूजीलैंड दौरे पर जाने के कारण टीम में नए खिलाड़ियों को शामिल करना पड़ा। उंगली में चोट के कारण अनुभवी शार्दूल ठाकुर भी कम से कम दूसरे दौर में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। शेडगे पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे सीरीज खेलकर टीम में लौट रहे हैं। उन्होंने सीरीज के तीसरे मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों पर 66 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने पहले मैच में चार विकेट भी लिए थे। मुंबई की प्लेइंग XI में शेडगे को कहां जगह मिलेगी, यह चयनकर्ताओं के लिए मुश्किल सवाल हो सकता है। सीजन के पहले मैच में मुशीर खान, कप्तान सिद्धेश लाड, सरफराज खान और विकेटकीपर आकाश आनंद ने तीसरे से छठे नंबर तक बल्लेबाजी की थी। इनके बाद ऑलराउंडर शम्स मुलानी, तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे बल्लेबाजी के लिए आए थे। रघुवंशी को अंडर-23 स्तर पर 201 और 203 रन की पारियां खेलने के बाद टीम में शामिल किया गया है। यशस्वी जायसवाल के उपलब्ध होने के कारण वह रणजी सीजन का शुरुआती मैच नहीं खेल पाए थे। अब मुंबई को रविवार से बिलासपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ शुरु होने वाले दूसरे दौर के मैच में नई सलामी जोड़ी उतारनी होगी। मुंबई ने वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ को एक पारी और 155 रन से हराकर रणजी ट्रॉफी सीजन की शुरुआत की थी। यह मैच तीन दिन में खत्म हुआ और इस जीत से मुंबई को सात अंक मिले। सिद्धेश लाड (कप्तान), आकाश आनंद, सरफराज खान, सुवेद पारकर, हार्दिक तमोरे, अथर्व अंकोलकर, तनुष कोटियान, शम्स मुलानी, मुशीर खान, मोहित अवस्थी, तुषार देशपांडे, ऑंकार तरमाले, सिल्वेस्टर डिसूजा, दिव्याश सक्सेना, अंगकृष रघुवंशी और सूर्याश शेडगे। बता दें कि रणजी ट्रॉफी में मुंबई का लंबे समय तक दबदबा रहा है और इस बार भी शुरुआत अच्छी हुई है। जायसवाल और शार्दूल ठाकुर के जाने के बाद भी टीम में सरफराज खान, मुशीर खान, सिद्धेश लाड जैसे शानदार खिलाड़ी हैं। आईपीएल स्तर तुषार देशपांडे भी शामिल हैं। अंगकृष रघुवंशी के आने से टीम मजबूत हुई है।

भारतीय टीम में आते ही भुवनेश्वर कुमार कप्तानी से हटे, वरुणाल पांड्या को हांगकांग सिक्सेस में मिली कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में जगह मिली है। हालांकि इस सीरीज से पहले उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले अंतिम टी20 मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला वरुणाल पांड्या को शनिवार को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। इससे पहले भुवनेश्वर के पास टीम की कप्तान थी। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर को जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल निपाटी और टी. नटराजन शामिल हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शुक्रवार को कंधे में चोट से जुड़ा रहे अश्वदीप सिंह के कवर के तौर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैच की यह सीरीज 2-2 से बराबरी पर है। सीरीज का निर्णायक मुकाबला शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, बुधवार को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अश्वदीप सिंह को गेंदबाजी करने वाले हाथ के कंधे पर चोट लगी थी जिसके बाद भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया है। छठीस वषीय भुवनेश्वर को इससे पहले 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु होने वाली टी20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में चुना गया था। भुवनेश्वर ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 22 नवंबर 2022 को नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। यह संयोग ही है कि भुवनेश्वर की वापसी उसी मैदान पर होगी, जहां उन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

न्यूजीलैंड दौरे पर 4 बार बदले जाएंगे कप्तान, शुभमन गिल-श्रेयस अय्यर के बीच होगी कुर्सी की अदला बदली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए पहले ही टी20 टीम का ऐलान कर चुका था। अब शुक्रवार, 16 अक्टूबर को बोर्ड ने वनडे और टेस्ट टीम का भी ऐलान कर दिया है। ऐसे में तीनों फॉर्मेट की भारतीय टीमों को देखने के बाद यह पता चला है कि कुल 4 बार शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के बीच कप्तानी की कुर्सी की अदला बदली होगी। भारत के न्यूजीलैंड दौरे का आगाज 22 अक्टूबर से होने जा रहा है, जो 1 दिसंबर तक चलेगा। न्यूजीलैंड टूर की शुरुआात टीम इंडिया टी20 सीरीज के जरिए करेगी, जो 22 अक्टबर से 1

नवंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी, जो 15 नवंबर तक चलेगी। टूर का अंत टेस्ट सीरीज के साथ होगा। भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से तो दूसरा 27 सितंबर से खेला जाएगा। आइए जानते हैं न्यूजीलैंड दौरे पर कैसे 4 बार भारतीय कप्तान बदले जाएंगे। न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर को टी20 सीरीज के जरिए होगी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर हैं तो वह न्यूजीलैंड दौरे पर पहली बार कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। शुभमन गिल वनडे टीम के कप्तान हैं तो वह 4 नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में टीम इंडिया की

खेल

अगुवाई करते हुए नजर आएंगे। हालांकि बीच वनडे सीरीज में भारतीय टीम का कप्तान बदल जाएगा। टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए गिल समेत 4 भारतीय खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे, ऐसे में श्रेयस अय्यर को एक मौका मिलेगा। इस दौरान वनडे टीम के उप-कप्तान ईशान किशन होंगे, जो इस समय जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। पहले तीन वनडे में कप्तानी करने के बाद शुभमन गिल न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के दौरान एक बार फिर कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। ऐसे में 4 बार भारतीय टीम अलग-अलग शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर को कप्तानी में

महेला जयवर्धने ने दिया मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका, आईपीएल 2027 से पहले छोड़ा हेड कोच का पद

नई दिल्ली। महेला जयवर्धने ने आईपीएल 2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस के हेड कोच का पद छोड़ दिया है। जयवर्धने ने टीम के साथ अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान पिछले दो सीजन तक यह भूमिका निभाई, इससे पहले उन्होंने 2017 से 2022 तक MI को कोचिंग दी थी। मुंबई इंडियंस ने शनिवार को एक प्रेस रिलीज में कहा, मुंबई इंडियंस ने आज घोषणा की कि महेला जयवर्धने हेड कोच का पद छोड़ देंगे, जिससे OneFamily4 के साथ उनका एक दशक पुराना जुड़ाव खत्म हो जाएगा। जयवर्धने के हेड कोच के तौर पर कार्यकाल के दौरान, मुंबई इंडियंस ने तीन आईपीएल टाइटल जीते। फेंचाइजी ने कहा कि जयवर्धने ने फेंचाइजी के कल्चर को बनाने और हेड कोच के तौर पर अपने दो कार्यकालों में अनुशासन, सहयोग और टीम-फर्स्ट अप्रोच पर आधारित टीम माहौल को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई। MI ने अपनी रिलीज में लिखा, 2017 से 2022 तक और फिर 2024 से 2026 तक, इस रोल में अपने दो कार्यकालों में, उन्होंने फेंचाइजी के कल्चर को बनाए, एक मजबूत टीम माहौल बनाने और अनुशासन, सहयोग और टीम-पहले की सोच पर आधारित अप्रोच को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। मुंबई इंडियंस ने महेला जयवर्धने की देखरेख में तीन बार ट्रॉफी अपने नाम की थी। महेला के कोच पद से हटने के बाद मुंबई फेंचाइजी जल्द ही नए कोच



का ऐलान करने सकती है। हालांकि इस समय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइकल हर्सी, एरोन फिंच और मार्क बाउचर जैसे क्रिकेटर्स इस पद के दावेदार हैं। जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस एक दशक से ज्यादा समय से उनके सफर का एक खास हिस्सा रहा है, उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, फ्रैन्स और फेंचाइजी मालिकों नीता और आकाश अंबानी को उनके सपोर्ट और भरोसे के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने टीम की कामयाबियों पर गर्व जताया और आने वाले सालों में फेंचाइजी की कामयाबी की दुआ की। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस पिछले एक दशक से ज्यादा समय से मेरे सफर का एक बहुत ही खास हिस्सा रहा है। खिलाड़ियों, कोचिंग टीम, OneFamily के जबरदस्त सपोर्ट और सबसे बढ़कर फैंस ने इसे एक ऐसा अनुभव बना दिया है जिसे मैं हमेशा संभालकर रखूंगा। साथ मिलकर, हमने कुछ यादगार पल शेयर किए हैं, चुनौतियों का सामना किया है

और कुछ ऐसा बनाया है जिस पर हम सभी को गर्व हो सकता है। मैं इतने सालों में उनके अटूट भरोसे, सपोर्ट और दोस्ती के लिए मिसेज नीता अंबानी और आकाश अंबानी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और MI के लिए मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रहेगी। मैं टीम को आने वाले सालों में हर कामयाबी की दुआ करता हूं। नीता अंबानी ने कहा कि जयवर्धने ने अपनी लीडरशिप, ईमानदारी और कमिटमेंट से मुंबई इंडियंस के लिए अहम योगदान दिया है, उन्होंने कहा कि फेंचाइजी हमेशा उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानेगी और भविष्य में उनकी कामयाबी की दुआ करती है। उन्होंने कहा महेला ने इतने सालों में मुंबई और सबसे बढ़कर फैंस ने इसे एक ऐसा अनुभव बना दिया है जिसे मैं हमेशा संभालकर रखूंगा। साथ मिलकर, हमने कुछ यादगार पल शेयर किए हैं, चुनौतियों का सामना किया है और कुछ ऐसा बनाया है जिस पर हम सभी को गर्व हो सकता है। मैं इतने सालों में उनके अटूट भरोसे, सपोर्ट और दोस्ती के लिए मिसेज नीता अंबानी और आकाश अंबानी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और MI के लिए मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रहेगी। मैं टीम को आने वाले सालों में हर कामयाबी की दुआ करता हूं। नीता अंबानी ने कहा कि जयवर्धने ने अपनी लीडरशिप, ईमानदारी और कमिटमेंट से मुंबई इंडियंस के लिए अहम योगदान दिया है, उन्होंने कहा कि फेंचाइजी हमेशा उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानेगी और भविष्य में उनकी कामयाबी की दुआ करती है। उन्होंने कहा महेला ने इतने सालों में मुंबई और सबसे बढ़कर फैंस ने इसे एक ऐसा अनुभव बना दिया है जिसे मैं हमेशा संभालकर रखूंगा। साथ मिलकर, हमने कुछ यादगार पल शेयर किए हैं, चुनौतियों का सामना किया है और कुछ ऐसा बनाया है जिस पर हम सभी को गर्व हो सकता है। मैं इतने सालों में उनके अटूट भरोसे, सपोर्ट और दोस्ती के लिए मिसेज नीता अंबानी और आकाश अंबानी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और MI के लिए मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रहेगी। मैं टीम को आने वाले सालों में हर कामयाबी की दुआ करता हूं। नीता अंबानी ने कहा कि जयवर्धने ने अपनी लीडरशिप, ईमानदारी और कमिटमेंट से मुंबई इंडियंस के लिए अहम योगदान दिया है, उन्होंने कहा कि फेंचाइजी हमेशा उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानेगी और भविष्य में उनकी कामयाबी की दुआ करती है। उन्होंने कहा महेला ने इतने सालों में मुंबई और सबसे बढ़कर फैंस ने इसे एक ऐसा अनुभव बना दिया है जिसे मैं हमेशा संभालकर रखूंगा। साथ मिलकर, हमने कुछ यादगार पल शेयर किए हैं, चुनौतियों का सामना किया है

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय शीर्ष क्रम को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। उसने अपने चार विकेट 19 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद पदार्पण कर रही निक्की प्रसाद और दीप्ति शर्मा ने 82 रन की साझेदारी करके टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वान्जुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे क्योंकि

पहले मैच में कप्तान स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, अनुष्का शर्मा और पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाई थी। दीप्ति ने एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आये जिन वजि पक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, निश्चित रूप से हम आक्रमक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी। उन्होंने कहा, मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा। मंधाना

का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रही और अब वह अगर बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया। दीप्ति ने कहा, निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल् रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने

दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधोलोवु और शार्न मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वान्जुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था। भारत- स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, हरमनप्रीत कौर, अनुष्का शर्मा, त्त्रा घोष, जी कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणानी, नंदनी शर्मा, कावित गोड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता,

जसप्रीत बुमराह का खोफ हुआ खत्म टिम साउदी ने किस भारतीय गेंदबाज को बताया सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली। भारतीय चयन समिति ने न्यूजीलैंड के आगामी वनडे और टेस्ट दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। जसप्रीत बुमराह को टेस्ट टीम में जगह मिली है लेकिन वनडे सीरीज के लिए उन्हें चुना नहीं गया है। न्यूजीलैंड में भारत मजबूत टीम के साथ उतरने वाला है। हालांकि पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी का मानना है कि जसप्रीत बुमराह से ज्यादा मोहम्मद सिराज दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान न्यूजीलैंड के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। उनका मानना है कि न्यूजीलैंड ने बुमराह को टेस्ट क्रिकेट में बेहतर ढंग से खेलते हैं और उनका सामना करना जानते हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों में 9 विकेट लिए हैं। बुमराह ने अभी तक जितने भी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले हैं, उसमें टीम को हार मिली है। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुमराह अपनी गेंदबाजी से वह खोफ पैदा नहीं कर सके हैं, जो अन्य टीमों के साथ करते हैं। टिम साउदी ने सोनी स्पोर्ट्स से गुवरुव को कहा, मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड ने टेस्ट में जसप्रीत बुमराह को बेहतरीन तरीके से खेला है। मुझे नहीं लगता है कि बुमराह जिस भी भारतीय टीम से खेले हैं, उसने कभी न्यूजीलैंड को हराया है। इसलिए मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड ने टेस्ट में उन्हें अच्छे से खेला है। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर टिम साउदी का मानना है कि अगर सिराज न्यूजीलैंड की चर्चू पिचों पर सही लैथ पर गेंदबाजी करें, तो वह न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान कर सकते हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने टेस्ट में 48 मैचों में 144 विकेट लिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान डेब्यू किया था। हालांकि पिछले कुछ समय से वह अपनी रफ्तार को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा, मैं मोहम्मद सिराज का और जिस तरीके से वह गेंदबाजी करते हैं, उसका बड़ा फैन हूं।